RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से सरोकार

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्ष-11 | अंक-07 | जयपुर, मंगलवार, 07 जुलाई 2026 | मूल्य-4 रूपये

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में बड़ा फैसला... कृष्ण मोहन कार्यवाहक महासचिव

चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे मंजूर

ट्रस्ट ने 4 सोने-चांदी की वस्तुएं दिखाईं, इनकी चोरी का दावा था

अयोध्या

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। चंपत राय की जगह नए ट्रस्टी रिटायर्ड ट्रूप्स कृष्ण मोहन को कार्यवाहक महासचिव बनाया गया है। कृष्ण मोहन दलित समाज से हैं। चढ़ावा चोरी के बाद हुई पहली बैठक 3 घंटे तक चली। बैठक के बाद कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी बोले- चंपत राय ने कहा है कि जब तक अपराधी पकड़े नहीं जाते तब तक पद पर रहना सही नहीं है। जो हुआ वह कष्टदायी है। इससे हम सब दुखी हैं। चढ़ावा चोरी लज्जाजनक घटना है।

बैठक में ट्रस्टी के. पाराशरन ने कहा था कि त्यागपत्र देते ही इसे स्वीकार करना ट्रस्ट के संविधान में है। इसलिए इस्तीफा स्वीकार किया गया। 22 जुलाई को ट्रस्ट की फिर बैठक होगी।

कृष्ण मोहन ने कहा- चढ़ावा चोरी के आरोपियों को सजा दिलाएंगे। प्रबंधन की कमियों का फायदा उठाया गया, कमियों को दूर करेंगे ताकि दोबारा ऐसी घटना न हो। समाज में अविश्वास है। विश्वास को दोबारा स्थापित करेंगे।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि ने कहा कि SIT जो निर्णय करेगी, वही मान्य होगा। कौन दोषी है और कौन नहीं, इसका फैसला SIT और न्यायालय करेंगे। यह निर्णय ट्रस्ट या किसी अन्य व्यक्ति का नहीं है।

उन्होंने बताया कि ट्रस्ट की अगली बैठक 22 जुलाई को होगी। मुझे अपने ट्रस्टियों पर पूरा विश्वास है। उन्होंने जो निर्णय लिया, मैंने उसे स्वीकार किया। मैं यहां लगातार नहीं रहता, प्रवास पर रहता हूं। महीने या डेढ़ महीने में दो-तीन दिन के लिए ही अयोध्या आता हूं। यहां रोजाना भुगतान और अन्य कार्य होते हैं।

ट्रस्ट के खातों (अकाउंट्स) से जुड़ी सभी जानकारियां पहले भी उपलब्ध थीं और अब भी हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बैठक में अनिल मिश्रा को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि ने कहा कि ट्रस्ट ने स्ट्रूज़ की अंतरिम रिपोर्ट पर चर्चा की है। यह अंतिम रिपोर्ट नहीं है। जांच आगे भी जारी रहेगी। हमारा स्पष्ट मत है कि इस मामले में जो भी दोषी हैं, उनकी पूरी जांच होनी चाहिए। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

प्रबंधन और संचालन में कमियां रह गई थीं, दूर करेंगे

राम मंदिर ट्रस्ट के नए महासचिव कृष्ण मोहन ने कहा- कहीं न कहीं प्रबंधन और संचालन में कमियां रह गईं थीं। जहां कहीं लूप होल्स हैं, अब इसे बंद करना है। इसका पूरा प्रयत्न करूंगा। समाज में जो माहौल बना है, इससे हमारे न्यास की छवि धूमिल हुई है। मेरा प्रयास रहेगा कि हम सभी न्यासी लोग इस धूमिल छवि को सही करने का प्रयास करेंगे। राम जन्म भूमि में जो दर्शनार्थी शिलाएं दान करते हैं।

महंत नृत्य गोपालदास बोले- दोषियों को मिले कड़ी सजा

महंत नृत्य गोपालदास द्वारा जारी पत्र में कहा गया कि मंदिर में हुई कथित दान-चोरी से वे अत्यंत आहत हैं। इस तरह के कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि उन्हें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री पर पूरा विश्वास है कि वे इस मामले में दोषियों को बख्शेंगे नहीं। उचित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

ट्रस्ट में नए लोगों की एंट्री के लिए तीन सदस्यों की समिति बनी

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि जी महाराज ने कहा, बैठक में यह तय किया गया है कि ट्रस्टी बोर्ड को पूरा किया जाएगा। हमें नाम सुझाने के लिए तीन सदस्यों की एक समिति बनाई गई है। इस समिति में रिटायर्ड जस्टिस प्रदीप कोहली, रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल विष्णुकांत चतुर्वेदी और सुरेश जी हावड़े शामिल हैं, जिन्होंने दस साल तक शिरडी संस्थान का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया था। हमने इस तीन-सदस्यीय समिति को अंतिम रूप दे दिया है। वे अलग-अलग उम्मीदवारों का इंटरव्यू लेंगे और हमें नाम सौंपेंगे, जिनमें से हम अंतिम चयन करेंगे।

अब तक 3,264 करोड़ रुपए दान मिले, 582 करोड़ चढ़ावा

ट्रस्ट ने बताया कि निधि समर्पण अभियान और कॉर्पस डोनेशन के जरिए अब तक 3,264 करोड़ रुपए मिले हैं। इनमें से 2,370 करोड़ रुपए मंदिर निर्माण और अन्य पूंजीगत कार्यों पर खर्च किए जा चुके हैं। ट्रस्ट बनने से लेकर 31 मार्च 2026 तक श्रद्धालुओं से 582 करोड़ रुपए का चढ़ावा मिला। इसमें से 391 करोड़ रुपए मंदिर के संचालन और अन्य खर्चों पर उपयोग किए गए हैं। बाकी राशि बैंक खातों में सुरक्षित है।

जांच पूरी होने तक बेबुनियाद आरोप न लगाएं

विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी से ट्रस्ट के सभी सदस्य दुखी हैं। जैसे ही मामले की जानकारी मिली, ट्रस्ट ने सरकार से SIT जांच की मांग की। प्रारंभिक रिपोर्ट आने के बाद एफआईआर दर्ज कराई गई। अब जांच समयबद्ध तरीके से पूरी होनी चाहिए। दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। यह आशंका जताई जा रही थी कि चंपत राय और अनिल मिश्रा अपने पद पर बने रहने से जांच प्रभावित हो सकती है। इसी कारण उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए उनके इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए हैं।

मणिपुर के उखरूल में आत्मघाती हमले में 2 जवान शहीद

40 असम राइफल्स के काफिले पर किया गया हमला, सुरक्षा बलों का तलाशी अभियान जारी

इम्फाल

मणिपुर के उखरूल जिले में सोमवार दोपहर करीब 1:50 बजे नुंगशांग कोंग के पास 40 असम राइफल्स के काफिले पर संदिग्ध उग्रवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया। इस हमले में असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए। हमला उस समय हुआ, जब जवान अपनी ड्यूटी पूरी कर शांगशाक बटालियन हेडक्वॉर्टर की ओर लौट रहे थे। घात लगाकर बैठे हमलावरों ने अचानक अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और जोरदार विस्फोट किए।

हमले में वारंट ऑफिसर बलवंत सिंह और राइफलमैन सीएम सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तुरंत उखरुल जिले के संगशक स्थित असम राइफल्स के नजदीकी शिविर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया और वे शहीद हो गए। उनके पार्थिव शरीर को शांगशाक स्थित असम राइफल्स कैंप ले जाया गया है घटना के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

ग्रामीणों ने बताया कि हमले के बाद कई घंटों तक इलाके में लगातार भारी गोलीबारी की आवाजें सुनाई देती रहीं, जिससे सुरक्षा बलों और संदिग्ध उग्रवादियों के बीच लंबे समय तक मुठभेड़ होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, अब तक किसी उग्रवादी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

इस बीच, मणिपुर के गृह मंत्री गोविंददास कोंथौजाम ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि नुंगशांग कोंग में 40 असम राइफल्स के काफिले पर हुए हमले की खबर से उन्हें गहरा दुख पहुंचा है।

सरकारी हॉस्पिटल में पंखा और प्लास्टर गिरा, डॉक्टर का सिर फटा

अलवर। अलवर के सेटेलाइट हॉस्पिटल में सोमवार सुबह छत का प्लास्टर और पंखा डॉक्टर और महिला मरीज पर गिर गया। इससे डॉक्टर का सिर फट गया। वहीं, महिला को भी गंभीर चोट लगी। घटना हॉस्पिटल के ओपीडी रूम नंबर-7 की है। जहां सीनियर डॉक्टर सीताराम अग्रवाल मरीजों को देख रहे थे। घायल सीनियर डॉक्टर सीताराम अग्रवाल ने बताया- सुबह करीब साढ़े 10 बजे एक महिला मरीज की जांच कर रहा था। इसी दौरान अचानक छत से मोटा प्लास्टर और पंखा गिर गया। हादसे के बाद मैं और मरीज बड़ी मुश्किल से बाहर निकल पाए।

पाक आतंकी शहजाद भट्टी के नेटवर्क के दो मॉड्यूल का किया भंडाफोड़

शाहजाद भट्टी नेटवर्क के 6 गुर्गे गिरफ्तार

नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी आतंकी शाहजाद भट्टी के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इनमें एक मॉड्यूल दिल्ली में किसी महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठान या पुलिस स्थापना पर पेट्रोल बम से हमला करने की साजिश रच रहा था, जबकि दूसरा मॉड्यूल पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भेजे हथियारों की तस्करी कर रहा था। पुलिस ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश व पंजाब से जुड़े छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से तीन पेट्रोल बम, तीन अत्याधुनिक

पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस, दो कारें, एक चोरी की बाइक, मोबाइल फोन व पाकिस्तानी हैंडलरों से हुई बातचीत के डिजिटल साक्ष्य बरामद हुए हैं। स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद कुशवाहा ने पुलिस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह कार्रवाई स्पेशल सेल की नॉर्दर्न रेंज (एनडीआर) की टीम ने की। पूरी कार्रवाई डीसीपी प्रवीण त्रिपाठी की निगरानी में एसीपी विवेक कुमार त्यागी तथा इंस्पेक्टर सुनील रजैन और इंस्पेक्टर धीरज की टीम ने अंजाम दी। दोनों मामलों में भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत स्पेशल सेल थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

पीएम मोदी इंडोनेशिया पहुंचे, फाइटर जेट्स ने एस्कॉर्ट किया

राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने एयरपोर्ट पर किया भव्य स्वागत, भारतीय समुदाय में उत्साह

जकार्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन देशों की आधिकारिक यात्रा के पहले चरण में इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता पहुंच गए हैं। पीएम मोदी का जकार्ता एयरपोर्ट पर भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया। इंडोनेशियाई वायु सेना के फाइटर जेट्स ने उनके विमान के इंडोनेशियाई हवाई क्षेत्र में प्रवेश करते ही उन्हें एस्कॉर्ट किया, जो एक विशेष सम्मान का प्रतीक है।

पीएम मोदी के जकार्ता पहुंचने पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने एयरपोर्ट पर व्यक्तिगत रूप से उनकी अगवानी की। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति सुबियांतो के इस भावपूर्ण स्वागत पर आभार व्यक्त किया और इसे दोनों देशों के बीच गहरी मित्रता का संकेत बताया। पीएम ने सोशल मीडिया पर कहा कि राष्ट्रपति के साथ उनकी चर्चा का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी को और अधिक गति प्रदान करना है।

जकार्ता एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में मौजूद भारतीय समुदाय के लोगों ने 'भारत माता की जय' और 'मोदी-मोदी' के नारों के साथ पीएम का स्वागत किया। एयरपोर्ट पर पीएम के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गई। वहां मौजूद भारतीय प्रवासियों ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वे पहली बार पीएम मोदी को इतने करीब से देखकर बेहद उत्साहित हैं।

पीएम मोदी इंडोनेशिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन भी जाएंगे। 9वीं शताब्दी में बना यह मंदिर भगवान शिव, विष्णु और ब्रह्मा को समर्पित है और यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है।

तस्करों की कार पेड़ से टकराई, एक की मौत

20 किमी पीछा कर एक साथी पकड़ा

बाड़मेर

बालोतरा में ANTF (एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स) से बचने के लिए भाग रहे शराब तस्करों की कार खेजड़ी के पेड़ से टकरा गई। तस्करों को पकड़ने के लिए एएनटीएफ और पुलिस टीम ने 20 किलोमीटर तक पीछा किया। हादसे में एक तस्कर की मौत हो गई, जबकि दूसरे को पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार और उसमें भरी शराब जब्त कर ली। गुजरात नंबर की प्लेट भी मिली है, जबकि कार पर केरल की नंबर प्लेट लगी थी। तस्कर नंबर प्लेट बदलकर शराब की सप्लाई करते थे। हादसा गुड़ामालानी थाना क्षेत्र के आमलियाला-भैडाणा रोड पर सोमवार दोपहर करीब 12 बजे हुआ। एएनटीएफ टीम को वाटेरा टोल से शराब से भरी एक कार निकलने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही टीम ने कार का पीछा शुरू किया। एएनटीएफ और कार के बीच काफी दूरी थी। इसी दौरान गुड़ामालानी पुलिस को भी सूचना दी गई। पुलिस की भनक लगते ही तस्करों ने बीच रास्ते में लूणवा जागीर टर्न लेकर आमलियाला की तरफ गए, वहां से भैडाणा रोड़ पर चले गए।

महाराष्ट्र में लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित

मुंबई में रेलवे ट्रैक, एक्सप्रेस-वे बंद, 17 फ्लाइट रद्द

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना

देश के कई राज्यों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। महाराष्ट्र में तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है। मुंबई-पुणे रेल रूट पर करजत-लोनावला के भोर घाट सेक्शन में दो जगह लैंडस्लाइड हो गई। इससे तीनों रेलवे लाइनें प्रभावित हो गईं। 20 ट्रेनों को कैंसिल करना पड़ा।

उधर, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भी लैंडस्लाइड होने से रास्ता बंद हो गया। सातारा जिले के महाबलेश्वर में वेण्णा नदी का पुल टूटने से 10-12 पर्यटक फंस गए। कारों को क्रेन की मदद से निकाला गया। BMC ने आज सभी सरकारी और प्रायवेट स्कूलों-कॉलेजों में छुट्टी घोषित की है। मुंबई एयरपोर्ट पर 17 फ्लाइट रद्द हुईं। मुंबई में प्राइवेट ऑफिसों के कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने को कहा गया है।

जालोर-सिरोही में तेज बारिश, बहने लगे झरने

जयपुर। राजस्थान के अधिकतर हिस्सों में मानसून सक्रिय हो गया है। जोधपुर में सोमवार दोपहर करीब एक घंटे तक तेज बारिश हुई। शहर की सड़कों पर पानी नदी की तरह बहने लगा। यहां ड्राइवर की लापरवाही के कारण सवारियों से भरी बस पानी में फंस गई। सीकर जिले में भारी बरसात से हालात बिगड़े हैं। शहर के प्रमुख इलाकों में 1 से 3 फीट तक पानी भर गया है।

बीकानेर में नवजात के बाद मां की भी मौत

सिजेरियन डिलीवरी के बाद बिगड़ी थी तबीयत

बीकानेर

बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में रविवार की रात एक और प्रसूता की मौत हो गई। नापासर के कुचौर की रहने वाली लीला(27), पत्नी रेखाराम की जनाना अस्पताल की ओटी में 3 जुलाई को सिजेरियन डिलीवरी हुई थी। डिलीवरी के बाद उनके नवजात शिशु की मौत हो गई थी, जिसके बाद रविवार की रात महिला ने भी ट्रोमा आईसीयू में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। फिलहाल महिला के इलाज की फाइल लेने के बाद पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। हॉस्पिटल सुपरिटेंडेंट डॉ. बी.सी. घीया ने बताया- प्रसव के बाद ज्यादा ब्लीडिंग होने से प्रसूता की हालत गंभीर हो गई। उन्हें तत्काल ट्रॉमा आईसीयू में शिफ्ट कर वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। इलाज के दौरान उन्हें कार्डियक अरेस्ट भी आया। डॉक्टरों ने सीपीआर देकर उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ और उनकी मौत हो गई। पिछले एक महीने में पीबीएम हॉस्पिटल में लीला समेत 3 प्रसूताओं की मौत हो चुकी है। ऐसे में हॉस्पिटल में इलाज की व्यवस्थाओं को लेकर मरीजों की चिंताएं बढ़ गई है।

सहकारिता मंत्रालय का 5वां स्थापना दिवस समारोह

'सहकार से समृद्धि' मंत्र के साथ देश में आए क्रांतिकारी बदलाव

किसानों, पशुपालकों एवं महिलाओं को मिला आर्थिक संबल

सहकारिता क्षेत्र में सकारात्मक प्रयासों से मजबूत हो रही ग्रामीण अर्थव्यवस्था

जयपुर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास करते हुए बहुत बड़ा काम किया जा सकता है। 'सहकार से समृद्धि' की सोच के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2021 में सहकारिता मंत्रालय बनाया और सहकारिता क्षेत्र को प्राणवायु प्रदान की। जिससे देश के कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आए। रोडमैप बनाकर सहकारी क्षेत्र में मौजूद रिक्तता को भरने का काम किया गया। साथ ही, सहकारी व्यवस्था को तकनीक रूप से सक्षम एवं पारदर्शी बनाया गया। उन्होंने कहा कि पैक्स (प्राथमिक कृषि ऋण समिति) को तकनीक आधारित बनाते हुए ई-पैक्स विकसित किए गए हैं, जिसके जरिए कार्य एवं अंकेक्षण आसान हो गया है। वहीं, डिजिटल पेमेंट सिस्टम से भुगतान प्रणाली में पारदर्शिता आई है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस पर नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सहकारिता से ग्रामीणों, किसानों, पशुपालकों एवं महिलाओं को आर्थिक संबल मिलने के साथ ही सामाजिक सुरक्षा का दायरा भी बढ़ा है। उन्होंने देश के किसानों से ऑर्गेनिक खेती को ज्यादा से ज्यादा अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि भूमि के संरक्षण की जिम्मेदारी भी हमारी है। केमिकल और फर्टिलाइजर से उत्पादन बढ़ने की बजाय जमीन की उर्वरता को नुकसान होता है।

सहकारिता के क्षेत्र में हो रहे अभूतपूर्व कार्य

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में देश में अभूतपूर्व कार्य हो रहा है। 'सहकार से समृद्धि' के मंत्र के साथ सहकारिता देश के करोड़ों किसानों, पशुपालकों, महिलाओं, युवाओं और ग्रामीण भारत के आर्थिक सशक्तीकरण का माध्यम बन गई है।

उन्होंने सहकारिता के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे नवाचारों और उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि सहकारिता आंदोलन राजस्थान के हर गांव-ढाणी तक पहुंच गया है। राज्य में लगभग 42 हजार से अधिक सहकारी समितियां हैं, जिनसे एक करोड़ 35 लाख से अधिक सदस्य जुड़े हुए हैं। वहीं, सहकार सदस्यता अभियान के तहत 8 लाख 90 हजार नवीन सदस्य सहकारी समितियों में जोड़े गए हैं। साथ ही, सभी ग्राम पंचायतों में सहकारी समितियों के गठन का लक्ष्य तय किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का डेयरी सहकारिता मॉडल लाखों पशुपालक परिवारों के लिए आर्थिक संबल का आधार बन चुका है। डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से प्रदेश में घाटे में चल रहे डेयरी संघ मुनाफे में आ गये हैं।

कजाकिस्तान से एमबीबीएस करने वाला एक और फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार

मामले में अब तक 100 से अधिक संदिग्धों की पहचान की गई

जयपुर। एसओजी ने फर्जी एफएमजी (फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट) सर्टिफिकेट प्रकरण में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी कजाकिस्तान से एमबीबीएस करने के बाद भारत में अनिवार्य एफएमजी स्क्रीनिंग परीक्षा पास नहीं कर सका था। इसके बाद उसने 24 लाख रुपये देकर फर्जी सर्टिफिकेट बनवाया और उसी के आधार पर राजस्थान मेडिकल काउंसिल (आरएमसी) में पंजीकरण कराकर धौलपुर मेडिकल कॉलेज में इंटर्नशिप शुरू कर दी।

एडीजी एसओजी विशाल बंसल ने बताया एसओजी की टीम ने फर्जी एफएमजी सर्टिफिकेट प्रकरण में चरण सिंह (27) निवासी गोपालगढ़ डीग को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में एसओजी थाने में दर्ज प्रकरण के तहत धोखाधड़ी, कूटरचना और आपराधिक षड्यंत्र की धाराओं में जांच जारी है। जहां जांच में सामने आया विदेश से एमबीबीएस कर लौटे ऐसे अभ्यर्थियों जो एफएमजी स्क्रीनिंग परीक्षा में सफल नहीं हुए। उन्हें मुख्य आरोपित भानाराम माली व उसके सहयोगियों ने फर्जी सर्टिफिकेट उपलब्ध कराए। आरएमसी के कुछ अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से इनका प्रोविजनल पंजीकरण कराया गया और विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप भी शुरू करवा दी गई।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 2 खूंखार शूटर मुठभेड़ में ढेर

-दिल्ली पुलिस और एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और हरियाणा एसटीएफ ने एक संयुक्त अभियान में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो खूंखार शूटरों को मुठभेड़ में मार गिराया है। मारे गए शूटरों की पहचान प्रवेश और हिमांशु के तौर पर हुई है, जो पिछले महीने हांसी में जिम चलाने वाले कपिल की हत्या में शामिल थे। पुलिस के अनुसार, ये दोनों शूटर हथियारों और गोला-बारूद से लैस थे और किसी बड़े अपराध को अंजाम देने की फिराक में थे, तभी रविवार सुबह पुलिस के साथ उनकी मुठभेड़ हो गई। इस गोलीबारी में एक पुलिस कांस्टेबल भी घायल हो गया, जबकि अन्य पुलिसकर्मियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर कई गोलियां लगीं। एसटीएफ के एसपी विक्रांत भूषण ने बताया कि पिछले महीने हांसी में जिम चलाने वाले कपिल नाम के एक व्यक्ति की दो अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी थी। इस घटना के संबंध में हांसी सिटी थाने में मामला दर्ज किया गया था। जांच में पता चला कि इस जघन्य अपराध को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो मुख्य शूटरों प्रवेश और हिमांशु ने अंजाम दिया था। पुलिस लगातार इनकी तलाश में थी। रविवार सुबह, काउंटर इंटेलिजेंस दिल्ली स्पेशल सेल यूनिट के इंचार्ज मंजीत को एक गुप्त सूचना मिली कि ये दोनों वांछित शूटर भारी हथियारों और गोला-बारूद से लैस हैं और एक और अपराध को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। इस महत्वपूर्ण जानकारी के आधार पर पुलिस टीमों ने तुरंत कार्रवाई की योजना बनाई। पुलिस ने बताया कि जब पुलिस की टीमें इन दोनों शूटरों को पकड़ने के लिए आगे बढ़ीं और उन्हें रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने आत्मसमर्पण करने के बजाय पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी। अपनी जान बचाने और जवाबी कार्रवाई में पुलिस टीमों ने भी फायरिंग की। दोनों तरफ से हुई इस जबरदस्त गोलीबारी में एक पुलिस कांस्टेबल के पैर में गोली लगी, जबकि चार अन्य अधिकारियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोलियां लगीं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि अपराधियों ने कितनी आक्रामक तरीके से हमला किया था। इस मुठभेड़ में दोनों शूटर प्रवेश और हिमांशु भी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल शूटरों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। डॉक्टरों ने दोनों शूटरों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल कांस्टेबल को तुरंत सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। एसपी विक्रांत भूषण ने बताया कि इस मामले में आगे की जांच की जा रही है, ताकि इस गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके नेटवर्क का पता लगाया जा सके। यह कार्रवाई लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ पुलिस की बड़ी सफलता मानी जा रही है, जो संगठित अपराध के खिलाफ उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

केदारनाथ यात्रा : भूस्खलन का खतरा, प्रशासन हाई अलर्ट पर

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में मॉनसून की शुरुआत के साथ ही पहाड़ों पर भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटनाएं बढ़ी हैं, जिसका सीधा असर केदारनाथ यात्रा पर हो रहा है। कई क्षेत्रों से लगातार मलबा गिरने की खबरें सामने आ रही हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा एक बड़ी चिंता बनी है। रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह राजवार ने बताया कि केदारनाथ यात्रा मार्ग पर कई खतरनाक इलाके चिन्हित किए हैं, जिनकी सीसीटीवी सेंटरों के माध्यम से लाइव मॉनिटरिंग हो रही है। उन्होंने श्रद्धालुओं से प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की पूरी तैयारी रखने और किसी भी आपातकालीन स्थिति की जानकारी तुरंत प्रशासन को देने की अपील की है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड में अगले चार दिनों (5 से 8 जुलाई) तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिसमें 5 जुलाई के लिए कई इलाकों में ऑरेंज अलर्ट शामिल है। इसके मद्देनजर राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है। पुलिस, एसडीआरएफ, एनएच, पीडब्लयूडी और बीआरओ जैसे विभागों को भी सतर्क रहने और आवश्यकता पड़ने पर ट्रेकिंग गतिविधियों को रोकने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को चौबीसों घंटे सक्रिय रहने और किसी भी आपदा की सूचना तत्काल राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष को देने को कहा गया है। इस बीच, जुलाई की शुरुआत में सोनप्रयाग-गौरीकुंड मोटरमार्ग पर मुनकटिया के पास हुए भारी भूस्खलन के कारण यात्रा मार्ग बाधित हुआ था। हालांकि, खराब मौसम और यात्रा में अस्थायी रुकावटों के बावजूद, केदारधाम के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह बरकरार है। प्रशासन उनकी सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

नैनीताल हादसा : बंदरों को पत्थर मारते हुए बालक खिड़की से गिरा, गंभीर घायल

नैनीताल (एजेंसी)। शहर के मल्लीताल क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां एक होटल में ठहरे दिल्ली के पर्यटक परिवार का तीन वर्षीय बच्चा खिड़की से 20 फीट नीचे गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो गया। बच्चे को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली निवासी विशाल सोनी अपने परिवार के साथ नैनीताल घूमने आए थे और मल्लीताल स्थित एक होटल में रुके हुए थे। रविवार सुबह उनका तीन वर्षीय बेटा गौरांत कमरे में खेल रहा था। बताया गया कि इसी दौरान बालक को खिड़की के सामने कुछ बंदर दिखाई दिए, जिस पर उसने उन्हें पत्थर मारना शुरू कर दिया। इसी क्रम में अचानक उसका ध्यान हटा और वह असंतुलित होकर होटल की खिड़की से करीब 20 फीट नीचे जा गिरा। बच्चे के गिरने की आवाज सुनकर स्वजनों में चीख-पुकार मच गई। वे तत्काल गौरांत को बीडी पांडे अस्पताल ले गए। अस्पताल के चिकित्सक ने बताया कि बच्चे के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

रील बनाने के चक्कर में 2 को कुचला

लुधियाना (एजेंसी)। एक युवक ने रील बनाने के चक्कर में दो महिलाओं को कुचल दिया। लुधियाना में अपनी सहेली के साथ मॉर्निंग वॉक पर निकली प्रॉपर्टी डीलर की पत्नी को एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद महिला बोनट पर अटक गई। थोड़ी दूर जाकर कार के सामने ही जमीन पर गिर पड़ी जिससे उसकी खोपड़ी पर पहिया चढ़ गया। महिला के शरीर की हड्डियां तक टूट गई। महिला को करीब 10 मीटर घसीटने के बाद गाड़ी सवार वहां भाग गया। गंभीर रूप से घायल महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित किया गया। वहीं, उसकी सहेली को भर्ती कर लिया गया। एक्सीडेंट की सीसीटीवी फुटेज सामने आई है। बताया जा रहा है कि एक्सीडेंट करने वाला युवक 12वीं पास है। उसे पुलिस ने अब्दुल्लापुर बस्ती से गिरफ्तार कर लिया। वहीं, उसकी कार राजस्थान से बरामद हुई।

खाड़ी से यूरोप तक, भारत बदलेगा वैश्विक समीकरण

जयशंकर का वैश्विक कूटनीतिक मिशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर रविवार से एक महत्वपूर्ण छह-देशीय कूटनीतिक यात्रा पर रवाना होंगे, जिसमें कतर, बहरीन, कुवैत, ओमान, बेल्जियम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। आज से 10 जुलाई तक चलने वाली उनकी चार खाड़ी देशों की यात्रा ऐसे महत्वपूर्ण समय में हो रही है, जब अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के बाद इस क्षेत्र में राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। यह यात्रा भारत के लिए इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों के साथ संबंधों को मजबूत करने और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का एक बड़ा अवसर है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, जयशंकर अपनी खाड़ी यात्रा के दौरान इन देशों के नेताओं और अपने समकक्षों से मुलाकात करेंगे। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य कतर, बहरीन, कुवैत और ओमान के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक सशक्त बनाना है। इसके साथ ही, क्षेत्रीय घटनाक्रमों और आपसी हित के विभिन्न मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श भी होगा, जिससे भारत की पश्चिम एशिया नीति को नई दिशा मिल सकती है।खाड़ी देशों का दौरा पूरा करने के बाद, विदेश मंत्री 13 जुलाई को न्यूयॉर्क के लिए प्रस्थान करेंगे, जहाँ वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में साल 2028-29 के कार्यकाल के लिए भारत के आधिकारिक अभियान की शुरुआत करेंगे। यह कदम वैश्विक शासन में भारत की बढ़ती आकांक्षाओं और भूमिका को दर्शाता है, जहाँ भारत स्थायी सदस्यता के लिए भी प्रयासरत है। अपनी यात्रा के अंतिम चरण में, जयशंकर 14 और 15 जुलाई को बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स जाएंगे। यहाँ वे तीसरी भारत-यूरोपीय संघ व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) की बैठक में भाग लेंगे और अपने यूरोपीय संघ तथा बेल्जियम के समकक्षों के साथ महत्वपूर्ण बातचीत करेंगे। टीटीसी की शुरुआत 2022 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्रों में आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से की गई थी। यह परिषद भारत और यूरोपीय संघ के बीच रणनीतिक तकनीकी सहयोग को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे दोनों पक्षों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के विकास और साझाकरण में लाभ मिल सके। जयशंकर का यह बहुआयामी दौरा न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगा, बल्कि वैश्विक कूटनीतिक पटल पर भारत की बढ़ती साख और प्रभाव को भी रेखांकित करेगा, जिससे आने वाले समय में वैश्विक समीकरणों में भारत की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो सकती है।

इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण विज्ञापन : केंद्र सरकार का मेटा को नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। भारत सरकार ने इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े आपत्तिजनक विज्ञापनों को बढ़ावा देने के मामले में उसकी पैरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक. को नोटिस थमा दिया है। 4 जुलाई को जारी नोटिस का जवाब केंद्र सरकार ने कंपनी से सात दिनों के भीतर मांगा है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इंस्टाग्राम को तत्काल प्रभाव से इसतरह के सभी विज्ञापनों को ब्लॉक करने और हटाने का निर्देश दिया है, जो बाल यौन शोषण (सीएसएएम) को बढ़ावा देते हैं या उससे संबंधित कंटेंट तक पहुँच बनाते हैं। यह कार्रवाई मीडिया रिपोर्टों के बाद की गई है, जिसमें उजागर किया गया था कि इंस्टाग्राम भारत में रेप और चाइल्ड वीडियो जैसे शब्दों का उपयोग करके पेड विज्ञापन दिखा रहा था। इन विज्ञापनों पर क्लिक करने के बाद उपयोगकर्ता टेलीग्राम चैनलों पर भेज दिए जाते थे, जहाँ कथित तौर पर बाल यौन शोषण से संबंधित सामग्री मात्र 99 रुपये में ब्रिकी के लिए मौजूद थी। रिपोर्ट में बताया गया कि इंस्टाग्राम पर दिखने वाले सभी विज्ञापन मेटा के मॉडरेशन सिस्टम से अनुमोदन के बाद ही दिखाते हैं, जिससे इस प्रणाली की गंभीर खामियां उजागर हुई हैं। एक मीडिया हाउस द्वारा इसतरह के एक विज्ञापन की शिकायत इंस्टाग्राम से किए जाने पर, कंपनी ने लगभग 24 घंटे बाद जवाब दिया था कि यह पोस्ट उसकी कम्यूनिटी गाइडलाइन का उल्लंघन नहीं करती। हालांकि, जब मीडिया ने मेटा से मामले पर स्पष्टीकरण मांगा, तब कंपनी ने स्वीकार किया कि उसने कई विज्ञापनों को हटा दिया है, संबंधित खातों को निलंबित किया है और आपत्तिजनक यूएलआर को हटाया है। मेटा ने अपनी प्रतिक्रिया में स्वीकार किया कि कोई भी मॉडरेशन सिस्टम पूरी तरह से त्रुटिहीन नहीं होता और समीक्षा प्रक्रिया हर नियम उल्लंघन की पहचान नहीं कर पाती है।

बंगाल में 12 साल की लड़की की गैंगरेप के बाद हत्या

- लोगों में आक्रोश, सड़क पर शव रखकर लगाया जाम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में संदिग्ध हालात में 12 साल की लड़की की मौत से इलाके में हड़कंप मच गया है। उसके परिवार और स्थानीय लोगों का आरोप है कि उसके साथ गैंगरेप और हत्या की गई और बाद में उसकी लाश तालाब में फेंक दी गई। इस घटना से इलाके में भारी आक्रोश है। बताया जा रहा है कि लड़की शनिवार शाम पास की दुकान से खाने-पीने का सामान लेने घर से निकली थी लेकिन वापस नहीं लौटी। परिवार ने उसे बहुत ढूंढा, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। रविवार सुबह सूर्यपुर हाट इलाके के एक तालाब में उसकी लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों का दावा है कि चार युवकों ने लड़की का अपहरण किया और गैंगरेप के बाद उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद, गुस्साए लोगों ने सड़क पर लाश रखकर विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की।

सूचना मिलने पर बारुईपुर पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों ने एक संदिग्ध, प्रभास मंडल, को पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। इस बीच, बाकी आरोपियों का पता लगाने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत की सही वजह और रेप के आरोपों की सच्चाई का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही चल पाएगा। फिलहाल मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

घटना के बाद तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन लोगों से शांति बनाए रखने की अपील कर रहा है, जबकि परिवार और स्थानीय लोग दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं। पुलिस का कहना है कि घटना की गहनता से जांच की जा रही है। आरोप सिद्ध होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राम मंदिर चंदा विवाद: विश्व हिंदू परिषद ने विपक्ष के नेताओं से मांगे सबूत

-सबूत हैं तब पुलिस को दें, अन्यथा भ्रम नहीं फैलाए

अयोध्या (एजेंसी)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने राम मंदिर निर्माण के लिए चंदे में अनियमितताओं के आरोपों को लेकर विपक्षी नेताओं को खुली चुनौती दी है। उन्होंने अयोध्या के डीसीपी को पत्र लिखकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी के नेताओं से सबूत पेश करने की मांग की है, जिन्होंने हजारों करोड़ के घोटाले या चोरी का दावा किया है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार ने स्पष्ट किया कि उनके पत्र का उद्देश्य किसी पर आरोप लगाना नहीं, बल्कि पुलिस से अनुरोध करना है कि वे इन बड़े, पढ़े-लिखे नेताओं से जानकारी, सबूत या गवाह जुटाएं, ताकि राम मंदिर चंदा विवाद से जुड़े आरोपों की सच्चाई सामने आ सके।

विहिप अध्यक्ष के अनुसार, सपा नेता राम गोपाल यादव ने 20,000 करोड़ रुपये से अधिक के घोटाले का आरोप लगाया था, वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी हजारों करोड़ के चंदे की हेराफेरी की बात कहकर सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की मांग की थी। वहीं आम आदमी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और नेता संजय सिंह ने क्रमशः 200 करोड़ रुपये से अधिक की चोरी का आरोप लगाया था, जिसमें 50 कर्मचारियों के शामिल होने का दावा किया था। विहिप अध्यक्ष कुमार का कहना है कि यदि नेताओं के पास पुख्ता सबूत हैं, तब उन्हें जांच में सहयोग करना चाहिए, अन्यथा, बिना आधार के समाज में भ्रम फैलाने के लिए इनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

कुमार के कदम पर आम आदमी पार्टी (आप) ने तीखा पलटवार किया है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि विहिप अध्यक्ष का यह पत्र दिखाता है कि संगठन देशभर में उठ रहे चंदा चोरी के मुद्दे से बेहद परेशान और डरा हुआ है। आप नेता भारद्वाज ने आरोप लगाया कि विहिप के इरादे साफ नहीं हैं। यदि वे साफ होते, तब वे खुद अपने संगठन से जुड़े गवाह पेश करते, क्योंकि ट्रस्ट में उनके ही लोग शामिल थे। आप नेता भारद्वाज ने कहा कि विहिप नेता कुमार ने एक तरह से आत्मसमर्पण किया है, क्योंकि उनकी पार्टी या संगठन के लोग मामले में गवाह बनने को तैयार नहीं हैं।

राम मंदिर चंदे में हेराफेरी के आरोपों पर आलोक कुमार ने हर एक आरोप की बारीकी से जांच की मांग की है, यह कहकर कि चोरी, लूट या डकैती चाहे जो कहा जाए, सच केवल निष्पक्ष जांच से ही सामने आएगा। उन्होंने राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा की टिप्पणियों पर कोई भी बयान देने से इंकार किया। इसके अलावा, विहिप की केंद्रीय समिति की बैठक को अयोध्या से दिल्ली शिफ्ट करने के सवाल पर कुमार ने सख्त रुख दिखाकर कहा कि यह संगठन का आंतरिक मामला है और किसी को भी इस पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं है कि बैठक कहाँ आयोजित की जाए।

भारत-नेपाल सीमा पर रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक आवाजाही बंद, मधुबनी में ग्रामीणों का विरोध

मधुबनी (एजेंसी)। भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने बड़ा फैसला लिया है। मधुबनी जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में अब रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक सीमा पर आम आवाजाही पूरी तरह बंद रहेगी। यह व्यवस्था भारत सरकार के निर्देशों के तहत लागू की जा रही है। हालांकि, इस निर्णय का स्थानीय ग्रामीणों ने विरोध जताया है। मधवापुर स्थित एसएसबी कैंप में आयोजित बैठक के बाद 48वीं बटालियन के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने बताया कि निर्धारित समय के दौरान केवल मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में ही सीमा पार करने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि रोजमर्रा के आवश्यक सामान की आवाजाही जारी रहेगी, लेकिन भारी मात्रा में आयात-निर्यात और व्यावसायिक परिवहन पर पूरी तरह रोक रहेगी। सीमा पर बैरिकेडिंग किए जाने के बाद अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच करीब ढाई घंटे तक बैठक हुई, लेकिन कोई सहमति नहीं बन सकी। बैठक में एसएसबी अधिकारियों के साथ बेनीपट्टी के एसडीएम, डीएसपी, बीडीओ, सीओ और स्थानीय थाना अध्यक्ष सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान ग्रामीणों ने मांग की कि शादी-विवाह, आपातकालीन परिस्थितियों और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए रात में भी सीमित आवाजाही की अनुमति दी जाए। उनका कहना था कि सीमा पूरी तरह बंद होने से बच्चों की पढ़ाई, रसोई गैस की आपूर्ति, आवश्यक सेवाओं और दोनों देशों के बीच वर्षों पुराने सामाजिक एवं पारिवारिक 'रोटी-बेटी' के रिश्तों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। बैठक बिना किसी निष्कर्ष के समाप्त हो गई। फिलहाल सीमा क्षेत्र में इस फैसले को लेकर असंतोष का माहौल है। अब सबकी नजर प्रशासन पर है कि वह सुरक्षा और स्थानीय लोगों की जरूरतों के बीच संतुलन कैसे स्थापित करता है।

प्रशांत किशोर बांकीपुर से चुनाव लड़ना फाइनल

नितिन नवीन के करीब को मिल सकता है मौका

पटना (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी ने घोषणा की है कि उसके संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में प्रत्याशी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने इस बात की पुष्टि की है। यह सीट भाजपा विधायक नितिन नवीन के राज्यसभा सांसद बनने के बाद खाली हुई है, जिससे यह चुनाव काफी अहम हुआ है।

अपनी उम्मीदवारी की घोषणा के बाद प्रशांत किशोर ने कहा कि बीते चार सालों से जन सुराज ही उनकी जिंदगी है और पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरी लगन से निभाएंगे। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि बांकीपुर से मिलने वाली जीत से न केवल पार्टी का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि बिहार में एक नए राजनीतिक विकल्प की नींव भी मजबूत होगी। पीके ने कहा था कि यदि उनके चुनाव लड़ने से भाजपा बांकीपुर जैसी मजबूत सीट हारती है, तब वे चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बांकीपुर की जनता से पूरी ईमानदारी से काम करने का वादा किया और कहा कि अगर वे जन सुराज के प्रतिनिधि को चुनते हैं, तब वह

विधानसभा में 242 विधायकों पर भारी पड़ेगा।

इस दौरान प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने उन्हें पिछले दरवाजे से बने मुख्यमंत्री और सिलेक्टेड मुख्यमंत्री करार देकर कहा कि उनका असली चाल-चरित्र जल्द ही सामने आ जाएगा। पीके ने बांकीपुर के मतदाताओं से अपील की कि यह चुनाव केवल एक सीट जीतने का नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति को एक नया विकल्प देने और परिवर्तन की शुरुआत करने का है। उन्होंने चार लाख मतदाताओं से समर्थन मांगा।

दूसरी ओर, भाजपा ने अभी तक अपने उम्मीदवार की आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन सूत्रों के अनुसार, नील रतन घोष (नीलू दा) का नाम करीब तय है। नील रतन घोष भाजपा के एक पुराने और भरोसेमंद कार्यकर्ता हैं, जो लंबे समय से नवीन के साथ जुड़े रहे हैं और उनके विश्वसनीय हैं। स्थानीय कार्यकर्ताओं की मांग पर उन्हें टिकट मिलने की संभावना है। मंदिरी के रहने वाले नीलू दा मूल रूप से पश्चिम बंगाल से हैं।

ममता की बागियों को चुनौती... तुम्हें क्या लगता है कि मैं खत्म हो गई हूं?

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में जारी बगावत के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बागी नेताओं को कड़ा संदेश दिया है। ममता ने स्पष्ट कहा कि अगर उन्हें रोकना है, तब उन्हें मारना पड़ेगा, क्योंकि पार्टी का चुनाव चिह्न कहीं नहीं जाने वाला और उनकी आवाज कोई नहीं दबा सकता। उन्होंने बागी नेताओं को सीधी चुनौती देकर कहा, अगर हिम्मत है, तब खुलकर भाजपा में शामिल हो जाओ। तुम्हें क्या लगता है कि मैं खत्म हो गई हूं? ममता ने आरोप लगाया कि ये बागी नेता अब खुले तौर पर भाजपा के लिए काम कर रहे हैं और गद्दारी की भी सीमा होती है। उन्होंने कहा कि जिन नेताओं ने पार्टी सिंबल पर चुनाव जीता, वहीं अब उसी पार्टी के साथ विश्वासघात कर रहे हैं, जिसने उन्हें राजनीतिक पहचान दी। ममता का यह बयान तब आया है जब पार्टी के भीतर बड़ी टूट देखने को मिली है। पार्टी के 20 सांसद और 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं, जिन्होंने पार्टी सिंबल और नाम पर दावा किया है। हाल ही में, टीएमसी की पश्चिम बंगाल अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने भी अपने पद से इस्तीफा देकर बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी के साथ नजर आईं। इन विधायकों ने 3 जून को ममता के नेतृत्व से अलग होने की घोषणा की थी, जबकि सांसदों ने 15 जून को त्रिपुरा की नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी (एनसीपीआई) में विलय कर लिया था। ममता ने कहा कि वे इस बगावत का डटकर मुकाबला करेंगी और जनता के बीच अपनी पार्टी का चिह्न लेकर जाएंगी।

लालू यादव का जनता के नाम खुला पत्र: बड़ी वैचारिक लड़ाई का आह्वान

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष और बिहार की राजनीति के कद्दावर नेता लालू प्रसाद यादव ने पार्टी के 30वें स्थापना दिवस के अवसर पर बिहार की जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं के नाम एक विस्तृत खुला पत्र लिखा है। अपने इस महत्वपूर्ण संदेश में, लालू यादव ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर सीधा और तीखा हमला बोला है, उन पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और संविधान की मूल भावना को खतरे में डालने का गंभीर आरोप लगाया है। लालू यादव ने अपने पत्र में स्पष्ट किया कि संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है और देश का लोकतंत्र इस समय गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है।

लालू यादव यहीं नहीं रुके, उन्होंने भाजपा पर अपनी राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल कर संस्थाओं को कमजोर करने और एक विशेष हिंदुत्व के नैरेटिव को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि भाजपा ऐसा करके देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों जैसे अहम मुद्दों के साथ-साथ सरकार की विफलताओं से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। आरजेडी प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे एक बड़ी वैचारिक लड़ाई के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल सत्ता हासिल करने की नहीं, बल्कि देश के मूल्यों और सिद्धांतों को बचाने की है, और इसके लिए सभी को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। लालू यादव ने जोर देकर कहा कि आरजेडी सिर्फ चुनाव लड़ने वाली एक राजनीतिक पार्टी नहीं है, बल्कि संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय की स्थापना और गरीबों, वंचितों व हाशिए पर पड़े समुदायों के अधिकारों के लिए लड़ने को प्रतिबद्ध एक आंदोलन है। उन्होंने पार्टी के सफर को याद करते हुए बताया कि आरजेडी का गठन 5 जुलाई 1997 को इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया गया था, ताकि गरीबों, दलितों, पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और अन्य हाशिए पर रहने वाले समुदायों की आवाज को बुलंद किया जा सके। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से लोगों के साथ लगातार जुड़े रहने और संसद व सड़कों पर जनहित के मुद्दों को पूरी दृढ़ता से उठाते रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी पिछले तीन दशकों से सामाजिक न्याय, समानता और समावेशी विकास के आदर्शों के प्रति अटल प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है। लालू यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं के अदम्य साहस, समर्पण और बलिदान की सराहना की, जिन्होंने पिछले 30 वर्षों में आरजेडी को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने हर मुश्किल दौर में पार्टी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने के लिए सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का हार्दिक धन्यवाद किया।

सभ्यता के शिल्पियों को समर्पित होगा भारत का पहला सार्वजनिक स्मारक

विश्वविख्यात वास्तुविद मंडन की स्मृति में उदयपुर में आकार ले रहा है 'आर्किटेक्ट्स टॉवर', आर्किटेक्चर, साइंस और संस्कृति का अद्भुत संगम बनेगा नई पहचान

एक विचार... जो इतिहास में दर्ज होगा

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

सभ्यताओं की पहचान केवल उनके शासकों से नहीं होती, बल्कि उन शिल्पियों और आर्किटेक्ट्स से भी होती है जिन्होंने नगर बसाए, दुर्ग गढ़े, मंदिरों को आकार दिया और संस्कृति को पत्थरों पर अमर कर दिया। विडंबना यह रही कि जिन क्रिएटिव माइंड्स ने दुनिया को पहचान दी, उन्हें सार्वजनिक स्मारकों में शायद ही कभी स्थान मिला। अब झीलों की नगरी उदयपुर इस ऐतिहासिक कमी को दूर करने की दिशा में एक अनूठी पहल कर रही है। शोभागपुरा स्थित जे.के. सर्किल पर लगभग 35 फीट ऊँचा 'आर्किटेक्ट्स टॉवर' आकार ले रहा है। यह केवल एक आर्किटेक्चरल स्ट्रक्चर नहीं, बल्कि भारतीय आर्किटेक्चर, शिल्प और क्रिएटिव परंपरा के प्रति समाज की सामूहिक कृतज्ञता का प्रतीक होगा। यह महान आर्किटेक्ट मंडन को समर्पित रहेगा और पूरे आर्किटेक्ट एवं डिज़ाइनर समुदाय को सार्वजनिक सम्मान देने का माध्यम बनेगा। प्रोजेक्ट डायरेक्टर एवं आर्किटेक्ट सुनील लड्ढा ने बताया कि 7 जुलाई से इस कार्य का शुभारंभ होगा और शीघ्र ही यह टॉवर आमजन को समर्पित किया जाएगा।

उदयपुर/शोभागपुरा स्थित जेके सर्किल पर तैयार होने वाले आर्किटेक्ट्स टॉवर की डिजाईन।

साइंस, संस्कृति और आधुनिक आर्किटेक्चर का संगम

इस प्रोजेक्ट की टेक्निकल सहयोगी युवा आर्किटेक्ट प्रियंका कोठारी ने बताया कि टॉवर की सबसे विशिष्ट पहचान इसमें स्थापित होने वाला वर्टिकल सन डायल (ऊर्ध्वाधर सूर्य घड़ी) होगा। यह प्रकृति, समय और साइंस के शाश्वत संबंध को जनसामान्य के सामने जीवंत रूप में प्रस्तुत करेगा। भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक आर्किटेक्चर का यह अनूठा संगम इसे केवल दर्शनीय ही नहीं, बल्कि एक एजुकेशनल लैंडमार्क भी बनाएगा।

उदयपुर की नई पहचान बनने की ओर

झीलों और महलों के शहर उदयपुर को यह टॉवर एक नई समकालीन पहचान देगा। दिन में अपनी विशिष्ट आर्किटेक्चरल डिज़ाइन और रात में आकर्षक लाइटिंग के कारण यह पर्यटकों, आर्किटेक्ट्स, इंजीनियर्स, स्टूडेंट्स, रिसर्चर्स और डेवलपर्स के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनेगा। भविष्य में यह भारत के आर्किटेक्चर टूरिज्म का भी एक महत्वपूर्ण लैंडमार्क बन सकता है।

मेवाड़ के महान सूत्रधार मंडन को समर्पित होगी यह विरासत

पंद्रहवीं शताब्दी में मंडन ने मेवाड़ के यशस्वी शासक महाराणा कुंभा के प्रधान आर्किटेक्ट एवं सूत्रधार के रूप में भारतीय आर्किटेक्चर को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं। उनके मार्गदर्शन में विश्वप्रसिद्ध कुंभलगढ़ दुर्ग का निर्माण हुआ, जिसकी लगभग 36 किलोमीटर लंबी परकोटा दीवार विश्व की सबसे लंबी किलेबंदियों में गिनी जाती है। कुंभलगढ़ के भीतर स्थित कटारगढ़ तथा चित्तौड़गढ़ दुर्ग के अनेक महलों, मंदिरों और अन्य आर्किटेक्चरल कार्यों में भी उनके योगदान का उल्लेख मिलता है। मंडन केवल कुशल शिल्पकार ही नहीं, बल्कि भारतीय वास्तुशास्त्र के महान आचार्य भी थे। उन्होंने प्रासादमंडन, राजवल्लभ, रूपमंडन और वास्तुमंडन जैसे कालजयी ग्रंथों की रचना कर अर्बन प्लानिंग, बिल्डिंग डिज़ाइन, मूर्तिकला और आर्किटेक्चर के सिद्धांतों को व्यवस्थित स्वरूप दिया। उनके ये ग्रंथ आज भी भारत और विदेशों में आर्किटेक्चर स्टडी का महत्वपूर्ण संदर्भ माने जाते हैं। ऐसे महान सूत्रधार की स्मृति में निर्मित हो रहा यह टॉवर भारतीय आर्किटेक्चर परंपरा को समर्पित एक जीवंत श्रद्धांजलि होगा।

उदयपुर के आर्किटेक्ट सुनील लड्ढा की दूरदर्शी संकल्पना

इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की संकल्पना उदयपुर के ख्यातनाम आर्किटेक्ट सुनील लड्ढा ने की है। उनका मानना है कि दुनिया में असंख्य स्मारक राजाओं, वीरों और ऐतिहासिक घटनाओं की स्मृति में बने हैं, लेकिन उन आर्किटेक्ट्स के सम्मान में सार्वजनिक स्मारक नहीं हैं जिन्होंने इन सभ्यताओं और स्मारकों की कल्पना की। इसी सोच से 'आर्किटेक्ट्स टॉवर' का विचार जन्मा। उनकी दृष्टि में यह केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि समाज को यह संदेश देने का माध्यम है कि किसी भी शहर की वास्तविक पहचान उसके आर्किटेक्ट्स, डिज़ाइनर्स और क्रिएटिव माइंड्स से बनती है।

भगवान विश्वकर्मा से शुरू हुई सूत्रधार परंपरा

भारतीय शिल्प एवं आर्किटेक्चर परंपरा में भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का प्रथम सूत्रधार माना गया है। निर्माण के सूत्रों को धारण करने वाले शिल्पियों को 'सूत्रधार' कहा गया, जो समय के साथ सुथार और सुतार जैसे शब्दों में परिवर्तित हुआ। मेवाड़ के शिलालेखों, प्रशस्तियों और ऐतिहासिक ग्रंथों में सूत्रधार शब्द सम्मान और गौरव का प्रतीक रहा है।

क्रिएटिविटी को समर्पित एक कालजयी संदेश

'आर्किटेक्ट्स टॉवर' केवल कंक्रीट और स्टील का ढांचा नहीं होगा, बल्कि यह उन सभी शिल्पियों, सूत्रधारों और आर्किटेक्ट्स के प्रति समाज का सार्वजनिक प्रणाम होगा, जिन्होंने अपनी क्रिएटिविटी और विज़न से सभ्यताओं को आकार दिया। भगवान विश्वकर्मा से लेकर महान सूत्रधार मंडन और आधुनिक युग के आर्किटेक्ट्स तक चली आ रही सृजनशील परंपरा को यह स्मारक नई पीढ़ियों तक पहुँचाएगा। उदयपुर का यह प्रयास केवल एक शहर का सौंदर्य बढ़ाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह संदेश देगा कि सभ्यताओं का निर्माण केवल सत्ता नहीं करती, बल्कि उन्हें अमर बनाने का कार्य क्रिएटिव मस्तिष्क और दूरदर्शी आर्किटेक्ट्स करते हैं। यही संदेश 'आर्किटेक्ट्स टॉवर' को भारत ही नहीं, बल्कि विश्व आर्किटेक्चर जगत में भी एक विशिष्ट पहचान दिलाने की क्षमता रखता है।

सुध लेने वाला कोई नहीं, जर्जर हो चुका सिंचाई विभाग का भवन

मरम्मत के अभाव में छत और दीवारों से झड़ रहा प्लास्टर, हर पल हादसे का खतरा

स्मार्ट हलचल| मांडलगढ़

मांडलगढ़ कस्बे में स्थित सिंचाई विभाग का कार्यालय भवन वर्षों की अनदेखी और विभागीय उदासीनता का शिकार बना हुआ है। लगातार उपेक्षा के कारण भवन पूरी तरह जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है। भवन की दीवारों और छत से जगह-जगह प्लास्टर झड़ रहा है, जबकि कई हिस्सों में गहरी दरारें दिखाई देने लगी हैं। इसके बावजूद भवन में विभागीय कार्य जारी है, जिससे कर्मचारियों और यहां आने वाले आम नागरिकों की जान हर समय जोखिम में बनी हुई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि भवन की हालत लंबे समय से खराब है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने आज तक इसकी सुध नहीं ली। समय-समय पर भवन की मरम्मत कराने और इसकी जर्जर स्थिति से विभाग को अवगत कराने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। परिणामस्वरूप भवन दिन-प्रतिदिन और अधिक खस्ताहाल होता जा रहा है।

ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों का आरोप है कि सरकारी भवनों के रखरखाव पर हर वर्ष लाखों रुपये खर्च होने के दावे किए जाते हैं, लेकिन धरातल पर स्थिति बिल्कुल अलग नजर आती है। सिंचाई विभाग का यह भवन इसकी बानगी है, जहां सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी हो रही है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि समय रहते भवन का तकनीकी निरीक्षण कर इसकी मरम्मत नहीं कराई गई तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। ऐसे में इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और प्रशासन की होगी।

लोगों ने प्रशासन एवं सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि भवन का तत्काल निरीक्षण कराया जाए। यदि भवन उपयोग के लिए सुरक्षित नहीं है तो इसे असुरक्षित घोषित कर कार्यालय को किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए तथा शीघ्र मरम्मत या नए भवन के निर्माण की कार्रवाई शुरू की जाए, ताकि कर्मचारियों और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

3 करोड़ की लागत से बना गोठ-वाया गुप्तेश्वर सीसी रोड पहली बारिश में टूटा, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

ग्रामीणों का आरोप- न नालियां बनाई, न पुलियाएं, न सड़क के दोनों ओर मिट्टी की भराई; कई जगह सड़क में दरारें और कटाव

स्मार्ट हलचल|मांडलगढ़

क्षेत्र के लिए महत्वाकांक्षी मानी जा रही गोठ-वाया गुप्तेश्वर सीसी लिंक रोड पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त होने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। करीब 3 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह सड़क लगभग 50 गांवों को जोड़ने के साथ मांडलगढ़ से गुप्तेश्वर की दूरी करीब 20 किलोमीटर कम करने वाली महत्वपूर्ण परियोजना है। लेकिन पहली ही बारिश के बाद सड़क के कई हिस्सों में दरारें, उखड़ाव और कटाव दिखाई देने लगे हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण के दौरान मूलभूत तकनीकी मानकों की अनदेखी की गई। उनका कहना है कि सड़क के किनारे जल निकासी के लिए कहीं भी नालियों का निर्माण नहीं किया गया और आवश्यक स्थानों पर पुलियाएं भी नहीं बनाई गईं। बारिश का पानी सड़क पर बहने से कई स्थानों पर सीसी रोड को नुकसान पहुंचा और सड़क के किनारों का कटाव शुरू हो गया।

दोनों ओर नहीं की गई मिट्टी की भराई

ग्रामीणों के अनुसार सड़क निर्माण पूरा होने के बाद भी सड़क के दोनों ओर मिट्टी की भराई नहीं

की गई। इससे सड़क का किनारा खुला रह गया और बारिश के दौरान बहते पानी ने सड़क की नींव को कमजोर कर दिया। लोगों का कहना है कि यदि समय पर मिट्टी का भराव और कम्पेक्शन किया जाता तो सड़क को इस तरह का नुकसान नहीं होता।

कम मोटाई में निर्माण का भी आरोप

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि सड़क की सीमेंट कंक्रीट (सीसी) परत निर्धारित मानकों के अनुरूप मोटाई में नहीं बनाई गई। उनका दावा है कि इसी कारण पहली ही बारिश में सड़क कई स्थानों पर टूटने लगी। हालांकि, इस संबंध में अभी तक विभाग की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है और इसकी तकनीकी जांच होना बाकी है।

50 गांवों के लिए है महत्वपूर्ण सड़क

गोठ-वाया गुप्तेश्वर लिंक रोड क्षेत्र के दर्जनों गांवों के लिए जीवनरेखा मानी जा रही है। सड़क के निर्माण से किसानों, विद्यार्थियों, श्रद्धालुओं और आम लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलने की उम्मीद थी। यह मार्ग मांडलगढ़ से गुप्तेश्वर के बीच की दूरी लगभग 20 किलोमीटर कम करता है, जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी।

ग्रामीणों ने की जांच और कार्रवाई की मांग

सड़क की स्थिति को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। उनका कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि सड़क पहली ही बारिश नहीं झेल पाई तो निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठना स्वाभाविक है। ग्रामीणों ने पूरे निर्माण कार्य की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराने, सड़क की मोटाई और गुणवत्ता की जांच करवाने, दोषी पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार एवं जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा सड़क का मानकों के अनुरूप पुनर्निर्माण कराने की मांग की है।

बाउंस चेक मामले में 6 माह की जेल, 70 हजार प्रतिकर देने का आदेश

45 हजार का चेक हुआ था बाउंस, न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए सुनाई सजा

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-4, भीलवाड़ा की पीठासीन अधिकारी नेहा चौहान ने चेक अनादरण (बाउंस) के एक मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए 6 माह के साधारण कारावास तथा 70 हजार प्रतिकर अदा करने का आदेश दिया है। प्रतिकर राशि जमा नहीं करने की स्थिति में आरोपी को 3 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

प्रकरण के अनुसार परिवादी अश्विनी कुमार शर्मा, निवासी तिलक नगर, भीलवाड़ा ने अपने अधिवक्ता बालकृष्ण पुरोहित के माध्यम से न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया। परिवाद में बताया गया कि आरोपी सलाम मोहम्मद (50) पुत्र शौकत अली, निवासी मोहम्मद कॉलोनी, शास्त्रीनगर ने 23 नवंबर 2021 को 45 हजार

का चेक दिया था। बैंक में प्रस्तुत करने पर चेक 'अकाउंट क्लोज्ड' (खाता बंद) होने की टिप्पणी के साथ अनादरित होकर लौट आया।

परिवादी की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों एवं तर्कों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के तहत दोषी ठहराते हुए 6 माह के साधारण कारावास और 70 हजार प्रतिकर की सजा सुनाई। साथ ही आदेश दिया कि प्रतिकर राशि अदा नहीं करने पर आरोपी को 3 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

15 साल पुराने ट्रैक्टर और बाइक की आरसी रिन्यूअल पेनल्टी में भारी छूट

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राज्य सरकार की बजट घोषणा और परिवहन विभाग के निर्देशानुसार गैर-परिवहन वाहनों (एग्रीकल्चर ट्रैक्टर और दो पहिया वाहनों) के लिए एक बेहद राहत देने वाली एमनेस्टी योजना शुरू की गई है। इसके तहत जिन वाहनों की आरसी (रजिस्ट्रेशन) अवधि समाप्त हो चुकी है या वाहन 15 वर्ष पुराना हो चुका है, वे अब भारी-भरकम पेनल्टी में सीधी छूट पाकर अपनी आरसी का नवीनीकरण करा सकते हैं।

पेनल्टी में छूट का पूरा विवरण

एग्रीकल्चर ट्रैक्टरः सामान्य तौर पर 500 प्रति माह पेनल्टी लगती है, लेकिन इस योजना में 1 वर्ष तक की समाप्ति पर अधिकतम 2500 और 1 वर्ष से अधिक की अवधि होने पर अधिकतम 5000 ही जमा कराने होंगे। दो पहिया वाहन (बाइक/स्कूटर): सामान्यतः 300 प्रति माह पेनल्टी की जगह अब अधिकतम सिर्फ 1000 की पेनल्टी देकर आरसी रिन्यूअल कराया जा सकेगा।

लापरवाही की तो वाहन होगा सीज!

परिवहन विभाग ने साफ चेतावनी दी है कि इस सुनहरे मौके के बाद भी यदि वाहन स्वामियों ने समय पर आरसी रिन्यूअल नहीं कराया और बिना वैध कागजात के वाहन चलाते पाए गए, तो उनके खिलाफ विशेष अभियान चलाकर सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जाएगी। ऐसे वाहनों के भारी चालान काटकर उन्हें सीज कर दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी वाहन मालिक की होगी। अपीलः कानूनी कार्रवाई और भारी जुर्माने से बचने के लिए तुरंत इस योजना का लाभ उठाएं और अपने नजदीकी परिवहन कार्यालय में संपर्क कर आरसी रिन्यू करवाएं।

अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर ने पीएम ई-बस को मारी टक्कर, ट्रॉली जब्त

स्मार्ट हलचल| आकोला

आकोला क्षेत्र के जित्या माफी गांव में सोमवार सुबह अवैध बजरी से भरे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने प्रधानमंत्री ई-बस को टक्कर मार दी। हादसे में बस के पिछले हिस्से के ड्राइवर साइड के दो शीशे टूट गए। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर बड़लियास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया।

बड़लियास थाना के एएसआई गोपाल सिंह ने बताया कि पीएम ई-बस बड़लियास से भीलवाड़ा की ओर जा रही थी। इसी दौरान जित्या माफी गांव के पास अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बस को टक्कर मार दी, जिससे बस का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और दो शीशे टूट गए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली को डिटेन कर थाने में खड़ा कराया है। मामले की जांच की जा रही है।

घटना के बाद ग्रामीणों ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ नाराजगी जताई। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली तेज रफ्तार से बेखौफ दौड़ रहे हैं, जिससे लगातार हादसों का खतरा बना हुआ है।

ग्रामीणों के अनुसार, इसी ट्रैक्टर ने बस को टक्कर मारने से पहले भाकलिया गांव के पास एक गौवंश को भी अपनी चपेट में ले लिया था, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। लोगों ने प्रशासन से अवैध बजरी परिवहन पर सख्त कार्रवाई करने और ऐसे वाहनों पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की है।

शिक्षा की राह में दलदल की बाधा: जान जोखिम में डालकर स्कूल पहुंचने को मजबूर खोहरा और मेडिया के नौनिहाल

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिलेटा जाने वाला रास्ता बना तालाब; हाथ में जूते-चप्पल लेकर कीचड़ पार कर रहे छात्र, वर्षों से सड़क बदहाल, जिम्मेदार विभाग मौन

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। जहाजपुर तहसील क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में मानसून की मेहरबानी जहां एक तरफ किसानों के चेहरे पर खुशी लाई है, वहीं दूसरी तरफ बुनियादी ढांचे की पोल खोलकर रख दी है। तहसील के खोहरा, मेडिया, धोला देवरा सहित आसपास के आधा दर्जन गांवों के स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए इन दिनों शिक्षा ग्रहण करना किसी खतरनाक जंग को जीतने जैसा हो गया है। इन गांवों के नौनिहाल रोजाना अपनी जान जोखिम में डालकर, कीचड़ और जलभराव से लबालब रास्तों को पार कर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिलेटा पहुंचने को मजबूर हैं। सड़क पूरी तरह दलदल में तब्दील हो चुकी है, जिससे आए दिन बच्चे चोटिल हो रहे हैं।

शिक्षा की राह में कीचड़ की बाधा–खोहरा, मेडिया और धोला देवरा के छात्र रोजाना दलदल पार कर बिलेटा स्कूल पहुंचने को मजबूर।

अभिभावकों में गहरा आक्रोश, प्रशासन की अनदेखी पर उठे सवालः

स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों का कहना है कि इस मार्ग की हालत पिछले कई वर्षों से अत्यंत दयनीय बनी हुई है। हर चुनाव में जनप्रतिनिधि यहां चमचमाती सड़क बनाने का वादा करते हैं, लेकिन चुनाव बीतते ही सब भूल जाते हैं। सार्वजनिक निर्माण विभाग और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों को कई बार लिखित व मौखिक रूप से अवगत कराने के बावजूद अब तक इस मार्ग पर ग्रेवल डलवाने या जल निकासी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सड़क की तत्काल मरम्मत नहीं कराई, तो ग्रामीण बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर उग्र आंदोलन को मजबूर होंगे।

हाथ में चप्पल, पैरों में कीचड़: यह है बदहाली की असली तस्वीर:

ग्राउंड जीरो की हकीकत यह है कि लगातार हो रही बारिश के कारण बिलेटा स्कूल को जोड़ने वाली मुख्य सड़क का नामोनिशान मिट चुका है। पूरी सड़क पर घुटनों तक कीचड़ फैला हुआ है और जगह-जगह गहरे गड्ढों में गंदा पानी भरा है।

स्कूल जाने वाले छोटे-छोटे बच्चे सुबह अपने साफ-सुथरे यूनिफॉर्म पहनकर निकलते हैं, लेकिन स्कूल पहुंचने से पहले ही वे कीचड़ से सन जाते हैं। कई छात्र-छात्राएं हाथों में अपनी चप्पल-जूते उठाकर और किताबों से भरे बैग को सिर पर रखकर इस खतरनाक दलदल को पैदल पार करते हैं। राह चलते समय संतुलन बिगड़ने से कई बार बच्चे कीचड़ में गिर जाते हैं, जिससे उनकी किताबें और कपड़े खराब हो जाते हैं और उन्हें मजबूरन आधे रास्ते से ही रोते हुए घर लौटना पड़ता है।

ई बस डिपो को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम से जाना जाएगा

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125 की जयंती पर सांसद दामोदर अग्रवाल की अनुशंसा पर ई बस डिपो का नाम डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी पीएम बस सेवा डिपो के नाम किया गया।

सांसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया कि सासंद श दामोदर जी अग्रवाल की अनुशंसा से भीलवाड़ा में संचालित ई - बस स्टेशन का नाम डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी पीएम ई- बस सेवा डिपो का नामकरण नगर निगम द्वारा किया गया। इस हेतु सभी कार्यकर्ता-आमजन की ओर से सासंद अग्रवाल का हृदय से आभार - धन्यवाद किया गया।

नामकरण के अवसर पर सांसद अग्रवाल ने आज देश को एक निशान एक विधान का नारा देने वाले जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वी जयंती पर उनके नाम से पी एम ई बस डीपो का नामकरण करवाना सच्ची श्रद्धांजलि है।

19 जुलाई को भीलवाड़ा बनेगा आस्था का महासंगम: जगतगुरु आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज की ऐतिहासिक चातुर्मास पधरावणी, 101 स्वागत द्वार और ड्रोन से होगी पुष्पवर्षा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। मेवाड़ की धर्मनगरी भीलवाड़ा आगामी 19 जुलाई को आध्यात्मिक उल्लास और भक्ति के विराट उत्सव का साक्षी बनेगा। अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगतगुरु आचार्य स्वामी श्रीरामदयालजी महाराज वर्ष 2026 का पावन 'विश्व शांति कल्याण चातुर्मास' भीलवाड़ा के माणिक्यनगर रामद्वारा में करेंगे। इस अवसर पर निकाली जाने वाली भव्य चातुर्मास पधरावणी शोभायात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं।

रामस्नेही सम्प्रदाय के साथ-साथ सर्व समाज के श्रद्धालुओं में इस चातुर्मास को लेकर अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। शहर को धर्ममय वातावरण में रंगने के लिए जगह-जगह स्वागत द्वार, रंगोलियां, सजावट और धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं।

सुबह 8:30 बजे होगी भव्य पधरावणी

विश्व शांति कल्याण चातुर्मास समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाली चातुर्मासिक मंगलमय पधरावणी 19 जुलाई को सुबह 8:30 बजे भव्य शोभायात्रा के साथ प्रारंभ होगी। इससे पहले आचार्यश्री का श्रद्धालुओं द्वारा भावपूर्ण स्वागत किया जाएगा। स्टेशन चौराहे पर वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद एवं मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसके बाद सर्व समाज के श्रद्धालुओं द्वारा महाआरती संपन्न कर शोभायात्रा रवाना होगी।

हाथी-घोड़े, ऊंट, शाही लवाजमा और ड्रोन से पुष्पवर्षा होगी आकर्षण

इस भव्य शोभायात्रा में सबसे आगे हाथी, घोड़े और ऊंट शाही लवाजमे के साथ चलेंगे। छत्र-चंवर, धार्मिक ध्वज और संत-महात्माओं की उपस्थिति इसे दिव्य स्वरूप प्रदान करेगी। पूरे मार्ग में 101 भव्य स्वागत द्वार बनाए जाएंगे तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से ड्रोन द्वारा पुष्पवर्षा की जाएगी।

शोभायात्रा का एक और प्रमुख आकर्षण उज्जैन की प्रसिद्ध महाकाल आरती की प्रस्तुति देने वाला दल रहेगा, जो पूरे वातावरण को भक्तिमय बना देगा। मार्ग के दोनों ओर आकर्षक रंगोलियां और पुष्प सज्जा श्रद्धालुओं का स्वागत करेंगी।

शहर के प्रमुख मार्गों से निकलेगी शोभायात्रा

शोभायात्रा रेलवे स्टेशन रोड स्थित गजाधर मानसिंहका धर्मशाला से प्रारंभ होकर सरकारी दरवाजा, गोल प्याऊ, बालाजी

मार्केट, सूचना केंद्र चौराहा, गांधी बाजार, भीमगंज थाना चौराहा होते हुए माणिक्यनगर रामद्वारा पहुंचेगी, जहां इसका समापन होगा। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों रामस्नेही संत, अनुयायी और श्रद्धालु इस ऐतिहासिक आयोजन में भाग लेने के लिए भीलवाड़ा पहुंचेंगे।

तीन माह तक बहेगी धर्म, भक्ति और संस्कृति की अविरल धारा

चातुर्मास के दौरान भीलवाड़ा में आध्यात्मिक चेतना का अनूठा वातावरण रहेगा। प्रतिदिन प्रातः 5 से 6 बजे तक रामधुनी होगी। सुबह 8 से 8:30 बजे तक वाणीजी का पाठ तथा 8:30 से 9:30 बजे तक आचार्यश्री के प्रेरक प्रवचन होंगे। प्रतिदिन सूर्यास्त के समय संध्या आरती आयोजित की जाएगी। पूरे चातुर्मास में धर्म, भक्ति, संस्कृति और समाज जागरण से जुड़े अनेक आयोजन होंगे, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागिता करेंगे।

गुरुपूर्णिमा से अवतरण महोत्सव तक होंगे विशेष आयोजन

चातुर्मास के दौरान 29 जुलाई को गुरुपूर्णिमा महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। 13 से 20 सितम्बर तक पूज्य वाणीजी प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8:30 से 11:30 बजे तक होंगे, जबकि दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक भागवत ज्ञान महोत्सव आयोजित किया जाएगा। 25 सितम्बर को रात्रि 8 बजे आचार्यश्री अवतरण महोत्सव के अंतर्गत विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम होगा, जबकि 26 सितम्बर को अवतरण आनंदोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। 15 अक्टूबर को पंचमी गोटकाजी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी तथा 22 अक्टूबर को चातुर्मास का विधिवत समापन होगा।

समाज के प्रतिष्ठित परिवार निभा रहे हैं सहयोग

विश्व शांति कल्याण चातुर्मास समिति के इस विशाल आयोजन में मुख्य सहयोगी के रूप में रामचरणानुरागी भंवरलाल, अशोककुमार, सुभाषचंद, महेशकुमार, अंकित, राहुल अजमेरा परिवार, लालचंद, शिवकुमार, अशोककुमार, मुकेशकुमार गगराणी परिवार तथा मुरली श्याम ईनाणी परिवार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

तैयारियों के लिए बनीं अलग-अलग समितियां

समिति के कार्यालय प्रमुख बद्रीनारायण लढ़ा एवं रमेश राठी ने बताया कि चातुर्मास को सुव्यवस्थित एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। इनमें स्वागत समिति, कार्यालय व्यवस्था, स्वागत द्वार निर्माण, प्रशासनिक समन्वय, आमंत्रण पत्र वितरण, क्रय समिति, पांडाल व्यवस्था, स्टोर व्यवस्था, भोजन निर्माण, वाहन पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, आवास व्यवस्था, प्राथमिक चिकित्सा, लाइट-साउंड व्यवस्था तथा प्रचार-प्रसार समिति सहित अनेक समितियां शामिल हैं।

सभी समितियों के सदस्य पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं, जिससे 19 जुलाई को भीलवाड़ा में आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक वैभव का ऐतिहासिक अध्याय लिखा जा सके।

सरकारी शिक्षक पर श्मशान घाट की भूमि पर कब्जे का आरोप

ग्रामीणों ने तहसीलदार से हटाने की लगाई गुहार

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत घोड़ के ग्राम भण्डारिया में श्मशान घाट के लिए आरक्षित सरकारी भूमि पर एक सरकारी शिक्षक द्वारा कथित अतिक्रमण किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने तहसीलदार जहाजपुर को ज्ञापन सौंपकर सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने, निर्माण कार्य रुकवाने तथा निष्पक्ष जांच की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार राजस्व रिकॉर्ड में आराजी संख्या 169 श्मशान घाट के नाम दर्ज है। आरोप है कि एक सरकारी शिक्षक ने इस भूमि पर अवैध रूप से तारबंदी कर कब्जा कर लिया है तथा पक्का निर्माण भी कराया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस कब्जे के कारण श्मशान घाट तक जाने वाला सार्वजनिक रास्ता भी बाधित हो गया है।

ज्ञापन में बताया गया है कि पूर्व में सूचना मिलने पर पटवारी मौके पर पहुंचे थे, जिसके बाद निर्माण कार्य कुछ समय के लिए रुक गया था। आरोप है कि बाद में दोबारा निर्माण शुरू कर दिया गया। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि विरोध करने पर संबंधित सरकारी शिक्षक द्वारा उन्हें धमकियां दी जा रही हैं।

ग्रामीणों ने प्रशासन से राजस्व रिकॉर्ड के आधार पर मौके की निष्पक्ष जांच कराने, श्मशान घाट की सरकारी भूमि को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कराने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

अब पूरे मामले में प्रशासन की कार्रवाई पर ग्रामीणों की नजर टिकी हुई है।

गुरलां में स्वच्छता अभियान की अनदेखी: कचराघर बना सार्वजनिक शौचालय, महिला हिस्से पर सांठगांठ से कब्जा

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

गुरला केंद्र व राज्य सरकार की ओर से चलाए जा रहे स्वच्छ भारत मिशन को गुरलां ग्राम पंचायत में सरेआम पलीता लगाया जा रहा है। यहाँ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सार्वजनिक शौचालय और महिला स्नानागार (यूरिन) विभागीय अनदेखी के चलते आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। स्थानीय प्रशासन और हाईवे अथॉरिटी की घोर लापरवाही के कारण यह पूरा परिसर अब आमजन के उपयोग के लायक नहीं बचा है, जिससे सरकार की सफाई व्यवस्था के दावों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

बीयर की बोतलें और गुटके के पाउच, स्वच्छता के दावों की खुली पोल

शौचालय परिसर की स्थिति वर्तमान में बेहद नारकीय हो चुकी है। यह पूरी जगह कचरे से अटी पड़ी है। असामाजिक तत्वों द्वारा यहाँ धड़ल्ले से शराब का सेवन किया जा रहा है, जिसके कारण जगह-जगह

बीयर की खाली बोतलें, गुटका और तंबाकू के पाउच बिखरे पड़े हैं। सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है, जिससे यह साफ जाहिर होता है कि प्रशासन केवल कागजों में स्वच्छता का ढिंढोरा पीट रहा है।

महिला स्नानागार से उठती असहनीय बदबू, राहगीर परेशान

इस बदहाली की सबसे बड़ी मार यहाँ से गुजरने वाली महिलाओं पर पड़ रही है। महिला स्नानागार में नियमित सफाई न होने और भारी गंदगी के कारण भयंकर बदबू आ रही है। हाईवे से गुजरने वाली राहगीर महिलाओं और स्थानीय महिलाओं के लिए इस स्नानागार का उपयोग करना तो दूर, इसके पास से निकलना भी दूभर हो गया है। बुनियादी सुविधाओं के इस अभाव से महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मिलीभगत का खेल: महिला हिस्से पर रसूखदारों का अवैध कब्जा

इस मामले का सबसे गंभीर पहलू ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है। यह पेशाबघर

मूल रूप से दो हिस्सों में निर्मित किया गया था–एक पुरुषों के लिए और दूसरा महिलाओं के लिए। लेकिन ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि ग्राम पंचायत की कथित अनदेखी या मिलीभगत के चलते इसके एक पूरे हिस्से (महिला विंग) पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। इस सरेआम हुए अतिक्रमण पर ग्राम पंचायत पूरी तरह आंखें मूंदे बैठी है, जो सीधे तौर पर अधिकारियों की सांठगांठ की ओर इशारा करता है।

ग्रामीणों में भारी रोष, आंदोलन की दी चेतावनी

सार्वजनिक संपत्ति पर अतिक्रमण और गंदगी के इस साम्राज्य ने स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर और उच्चाधिकारियों से मांग की है कि इस मामले की तुरंत उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, अवैध कब्जे को मुक्त कराया जाए और परिसर की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस पर सख्त एक्शन नहीं लिया गया, तो वे प्रशासन के खिलाफ उग्र आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

बिजोलिया उपखंड अधिकारी को किसानों ने ज्ञापन सौंपा

स्मार्ट हलचल

आकोला। बिजोलिया उपखंड अधिकारी को अभी उत्पादक किसानों ने डोडा चौराहा राष्ट्रीयकरण नहीं करने के संबंध में धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया मांग की राजस्थान व अन्य राज्यो में अफीम उत्पादक किसानों को भारत सरकार अफीम उत्पादन हेतु लाइसेंस जारी किया जाता है अफीम तो भारत सरकार जीवन रक्षक दवाइया बनाने के लिए निर्धारित मापदंड के अनुसार खरीद लेती है पर उससे बचा हुआ डोडा चूरा 2016 से पूर्व राज्य सरकार द्वारा निर्धारित ठेका पद्धति पर 125 प्रति किलो खरीदा जाता था जिसे राज्य सरकार ने बंद कर दीया व किसानों का डोडा चुरा नस्टीकरण का आदेश दिया हुआ है वह इस डोडा को जमींदोज किया जाता हैं जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान होता है अतः राज्य सरकार से अफीम उत्पादक संघर्ष समिति राजस्थान प्रदेश की यह मांग है की अफीम किसानों को 2000/ प्रति किलो के हिसाब से डोडा चुरा का मुवावजा वजन के अनुसारदिया जाए या किसानों को यह अधिकार दिया जाए की वह अपने खेत में ही इसको डिस्प्ले /हकाई से नस्टकरण

कर दे व किसान स्व घोषित प्रमाण पत्र देदे व किसानों के ऊपर इसका विश्वास किया जाए जिससे भूमि की उर्वरता भी बढ़ेगी वह किसान का शोषण मुक्त भी होगा बहुत से किसानों के कच्चे मकान होने की वजह से टोडा चुरा को सुरक्षित करना मुश्किल होता है मवेशी खा जाते हैं या बारिश में भीग जाता है ऐसे किसानों का मापदंड के अनुसार डोडा चूरा रखना संभव नहीं है अतः पुनः आपसे अनुरोध है कि जब तक किसानों को राज्य सरकार डोडा चूरा का मुआवजा 2000/ प्रति किलो के हिसाब से ना दे जब तक नष्ट करने के आदेश को स्थगित किया जाए या फिर अफीम किसानों पर विश्वास करके अपने ही खेत में नस्टी करण/ जमीदोज करने की अनुमति प्रदान करें ताकि किसान का खेत भी उपजाऊ बनेगा जैविक खेती का प्रसार भी बढ़ेगा वह सभी अफीम उत्पादक किसान डोडा चुरा का मुआवजा के उपरांत नस्तीकरण के लिए तैयार है ज्ञापन प्रांत अफीम आयाम प्रमुख/अध्यक्ष बद्रीलाल तेली व तहसील प्रमुख कैलाश धाकड़ वह अफीम किसान जगन्नाथ,वर्दी चंद ,प्रभु लाल, प्रभु लाल , चित्र लाल, रूप,शंकर, गोपाल, मांगीलाल,शंकर ,लोकेश ,अंकित, शिवदयाल, अशोक, वह बिजोलिया तहसील के लगभग सभी किसान उपस्थित थे।

रेलवे रियायत बहाल करने और अलग मंत्रालय बनाने की मांग

कोटा में नई प्रदेश कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण, भीलवाड़ा प्रतिनिधियों ने कहा— कोरोना काल में बंद हुई सुविधाएं फिर शुरू करे केंद्र सरकार

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान की सत्र 2026-29 की नई प्रदेश कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं प्रथम बैठक रविवार को कोटा क्लब में आयोजित हुई। बैठक में वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग मंत्रालय का गठन, कोरोना काल में बंद की गई रेलवे किराया रियायत को पुनः लागू करने, प्रत्येक जिले में वरिष्ठ नागरिक भवन, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में बढ़ोतरी, हेल्पलाइन 14567 को 24 घंटे संचालित करने तथा वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े कानूनों में समयानुकूल संशोधन की मांग प्रमुखता से उठाई गई।

बैठक में कई वरिष्ठ नागरिकों

ने कहा कि कोरोना काल में रेलवे रियायत जैसी सुविधाएं बंद कर दी गईं, लेकिन मंत्रियों और विधायकों को मिलने वाली सुविधाओं में कोई कटौती नहीं की गई। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों और पत्रकारों को मिलने वाली सुविधाएं जनहित में केंद्र सरकार को शीघ्र पुनः शुरू करनी चाहिए।

प्रदेश अध्यक्ष भंवर सेठ एवं प्रदेश महामंत्री मदन खटोड़ ने संगठन विस्तार और वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों पर विचार रखे। कार्यक्रम में भीलवाड़ा से मदन खटोड़, कृष्ण गोपाल सोमानी, अरुण कुमार आचार्य, उमा शंकर शर्मा, प्रमोद कुमार तोषनीवाल, कैलाश चंद्र पुरोहित और वीणा खटोड़ ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इसके अलावा मूलचंद बाफना, रमा पुरोहित, पुष्पा तोषनीवाल, शकुंतला बाफना और विजयलक्ष्मी सोमानी सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

कवलियास की गोचर भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग, ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

गुरला। राजस्व ग्राम कनवलियास के समस्त ग्रामीणों ने जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय, भीलवाड़ा स्थित पब्लिक लैंड प्रोटेक्शन सेल को ज्ञापन सौंपकर ग्राम की गोचर (चारागाह) भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमणों को तत्काल हटाने की मांग की है। शिकायत में बताया गया है कि गोचर भूमि के विभिन्न खसरा नंबरों पर लगातार अतिक्रमण, निर्माण, खेती एवं अन्य निजी उपयोग किए जाने से सार्वजनिक चारागाह क्षेत्र लगातार सिकुड़ता जा रहा है, जिससे गौवंश एवं अन्य पशुओं के लिए चारे का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है।

ग्रामीणों ने अपने ज्ञापन में मांग

की है कि संपूर्ण गोचर भूमि का संयुक्त राजस्व निरीक्षण कराया जाए, सीमांकन एवं सत्यापन किया जाए, सभी अवैध अतिक्रमणों की सूची तैयार कर दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाए तथा अतिक्रमण हटाकर भूमि पुनः ग्राम पंचायत के कब्जे में दिलाई जाए। साथ ही भविष्य में दोबारा अतिक्रमण रोकने हेतु स्थायी चिन्ह, सूचना बोर्ड एवं सीमा चिन्ह स्थापित करने की भी मांग की गई है।

ग्रामीणों ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को प्रताड़ित करना नहीं, बल्कि सार्वजनिक गोचर भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराकर उसका उपयोग पुनः गौवंश, पशुपालकों एवं समस्त ग्राम समुदाय के हित में सुनिश्चित कराना है। ज्ञापन देने वाले विरेंद्र सिंह, रणजीत माली, भगवत सिंह,कैलाश जाट, शिवराज माली आदि ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र प्रभावी कार्रवाई कर गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है।

50 हजार से भरा बैग लौटाकर दिया ईमानदारी का परिचय

स्मार्ट हलचल | गंगापुर

आज के दौर में जहां खोई हुई वस्तु के वापस मिलने की उम्मीद कम ही रहती है, वहीं गंगापुर के डॉ. सतीश शर्मा ने अपनी ईमानदारी का परिचय देते हुए 50 हजार से भरा बैग उसके वास्तविक मालिक को लौटाकर मिसाल कायम की।

जानकारी के अनुसार, कोमल अग्रवाल डॉ. सतीश शर्मा द्वारा निर्मित पानी की टंकी पर आए थे। इस दौरान वे अपना बैग वहीं भूल गए। बैग में करीब 50 हजार नकद रखे हुए थे।

बैग मिलने पर डॉ. सतीश शर्मा ने बिना देर किए इसकी सूचना संबंधित व्यक्ति को दिलवाई। सूचना मिलने पर कोमल अग्रवाल अपने फार्म से मौके पर पहुंचे। जब उन्हें उनका बैग सुरक्षित और पूरी राशि के साथ वापस मिला तो वे भावुक हो गए और डॉ. शर्मा का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने डॉ. सतीश शर्मा की ईमानदारी की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे लोग ही समाज में विश्वास और मानवीय मूल्यों को जीवित रखे हुए हैं। आज के समय में 50 हजार से भरा बैग सुरक्षित लौटाना न केवल ईमानदारी, बल्कि उच्च नैतिक मूल्यों और संस्कारों का भी परिचायक है।

डॉ. सतीश शर्मा अपने सामाजिक कार्यों और सनातन धर्म के प्रति अटूट आस्था के लिए भी क्षेत्र में विशेष पहचान रखते हैं। उनकी इस सराहनीय पहल ने यह साबित कर दिया कि आज भी समाज में ईमानदारी और मानवता जीवित है।

नालियों एवं जर्जर सड़कों की समस्या को लेकर मोहल्लावासियों ने नगर पालिका में सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा)। शाहपुरा-वार्ड नम्बर 12 के क्षेत्र में लंबे समय से बनी नालियों एवं जर्जर सड़कों की समस्या से परेशान होकर वार्ड नम्बर 12 के समस्त मोहल्लावासियों ने नगर पालिका पहुंचकर अपना रोष व्यक्त किया तथा संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि मोहल्ले की नालियों एवं सड़कों की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। इस संबंध में कई बार नगर पालिका एवं जनसुनवाई के माध्यम से शिकायत दर्ज करवाई जा चुकी है, लेकिन आज तक कोई प्रभावी एवं स्थायी समाधान नहीं किया गया।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया

कि नालियों की नियमित सफाई एवं उचित जल निकासी व्यवस्था नहीं होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर जमा रहता है, जिससे पूरे क्षेत्र में कीचड़, दुर्गंध एवं गंदगी का वातावरण बना रहता है। सड़कें भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, जिसके कारण आए दिन दोपहिया वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। गंदे पानी के जमाव से मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है तथा सांप, मेंढक एवं अन्य हानिकारक जीवों का भी खतरा बना रहता है। इसके कारण क्षेत्रवासियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है तथा आए दिन विवाद की स्थिति भी उत्पन्न होती रहती है।

मोहल्लावासियों ने यह भी बताया कि चंबल पेयजल परियोजना के तहत पेयजल पाइपलाइन डालने के लिए सीसी सड़क को बीच से खोद दिया गया था, लेकिन पिछले लगभग छह माह से सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई है। इसके कारण सड़क पर गड्ढे बने हुए हैं और आए दिन दोपहिया वाहन फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। मोहल्ले के कई बुजुर्ग भी इस मार्ग पर गिरकर घायल हो चुके हैं, फिर भी पीएचईडी विभाग द्वारा इस समस्या का संज्ञान नहीं लिया जा रहा है।

क्षेत्रवासियों ने बताया कि पूर्व में जैन साहब एवं गौरव शर्मा को भी इस समस्या से अवगत कराया गया था, लेकिन इसके बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। पाइपलाइन के लीकेज के कारण प्रतिदिन हजारों लीटर पेयजल व्यर्थ बह रहा है, जिससे घरों तक पर्याप्त पेयजल नहीं पहुंच पा रहा है। वहीं सड़क के दोनों ओर उगी घनी एवं कांटेदार झाड़ियां राहगीरों के लिए खतरा बनी हुई हैं। विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तथा आंखों में चोट लगने की आशंका बनी रहती है। मोहल्लावासियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही इन समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो भविष्य में होने वाली किसी भी दुर्घटना, जनहानि अथवा अन्य नुकसान की समस्त जिम्मेदारी संबंधित विभाग एवं प्रशासन की होगी।

मौके पर नगर पालिका में जैन साहब को मोहल्लावासियों ने ज्ञापन सौंपकर नालियों की सफाई, उचित जल निकासी व्यवस्था, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, पाइपलाइन लीकेज ठीक कराने तथा सड़क किनारे उगी झाड़ियों की तत्काल सफाई कराने की मांग की।

इस दौरान मुख्य कार्यकर्ता महेश कुमार शर्मा, मुकेश जाट एवं रमेश बैरवा उपस्थित रहे। साथ ही पूर्व सरपंच मूल सिंह सोढ़ा, पूर्व पार्षद राजू खटीक, कैलाश पाराशर, रामदेव गुर्जर, राजू सेन, नंदकिशोर खींची, टोनू जांगिड़, ईश्वर गुर्जर, ज्ञानमल खटीक, ओम बैरवा, प्रांजल सिंह राजपूत, अमन शर्मा, हर्षित शर्मा, पिंटू खटीक, रामदेव टेपन, शिशपाल कोली, ताराचंद कोली सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं मोहल्लावासी उपस्थित रहे।

बांद्रा टर्मिनस-जयपुर एक्सप्रेस/ बांद्रा टर्मिनस-आजमगढ़ स्पेशल निरस्त

स्मार्ट हलचल | कोटा

मुंबई मंडल में भारी वर्षा के कारण हुए जलभराव के चलते रेल प्रशासन ने दिनांक 06 जुलाई 2026 को बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान कर कर कोटा मंडल से गुजरने वाली गाड़ी संख्या 22933 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर एक्सप्रेस एवं संख्या 05184 बांद्रा टर्मिनस-आजमगढ़ स्पेशल एक्सप्रेस को निरस्त कर दिया है। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पूर्व गाड़ी की अद्यतन स्थिति www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा एनटीईएस ऐप पर अवश्य जांच लें।

साडू के घर खूनी खेल : पहले पत्नी की गला दबाकर की हत्या, फिर पति ने फंदे पर झूलकर दी जान, हंसता-खेलता परिवार एक रात में तबाह

मौत से दो मासूमों के सिर से उठा साया, टूटी बुढ़ापे की लाठी

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। बनकाखेड़ा निवासी दंपति की साली के ससुराल में आत्मघाती कदम उठाकर पहले पत्नी

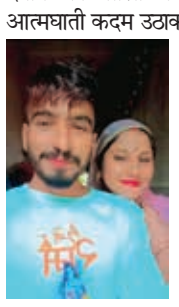

की हत्या कर पति ने फिर फांसी लगा ली। मामला हमीरगढ़ थाना क्षेत्र के आमली बरडोद गांव का है, जहां सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां मिलने आए साडू के मकान में एक दंपती ने आत्मघाती कदम उठा लिया। पति ने पहले अपनी पत्नी की गला दबाकर और लोहे की फेट (मुक्के) मारकर हत्या की और फिर खुद भी फंदे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। सूचना मिलते ही हमीरगढ़ थाना प्रभारी सुनील बेड़ा मय जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की

जांच शुरू की।

खेत से वापस बुलाया, फिर वारदात को दिया अंजाम

हमीरगढ़ पुलिस के अनुसार, बड़लियास थाना क्षेत्र के बनकाखेड़ा निवासी कालू (30) पुत्र देबीलाल जाट अपनी पत्नी दुर्गा देवी (28) के साथ रविवार शाम करीब 7 बजे आमली बरडोद स्थित अपने साडू जगदीश जाट व साली के घर मिलने पहुंचे, जहां रात में सभी ने एकसाथ भोजन कर सो गए। सोमवार सुबह पांच बजे साडू जगदीश, उसकी पत्नी और दुर्गा तीनों पास ही के खेत पर गुलाब के फूल तोडऩे के लिए निकले थे। अभी वे खेत पहुंचने से पहले ही पीछे से कालू ने फोन कर कहा कि घर पर बच्चे की तबीयत ठीक नहीं है, इसलिए उन्हें तुरंत गांव निकलना होगा। इस पर जगदीश अपनी बड़ा सासू दुर्गा को वापस घर छोडऩे आया। जगदीश ने जब घर पर ताला लगाने की बात कही, तो दंपती ने कहा कि वे बस निकलने ही वाले हैं, इस पर जगदीश ने कहा कि आप ताला लगाकर चाबी रख देना। इसके बाद साडू दोबारा खेत पर जाते ही कालू ने इस खूनी वारदात को अंजाम दे डाला।

कमरे में मिला शव, पीहर और ससुराल पक्ष को दी सूचना

जब परिजन वापस लौटे तो नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। कालू का शव फंदे पर झूल रहा था, जबकि उसकी पत्नी दुर्गा का शव बेड पर पड़ा था। पुलिस ने तुरंत घटना की जानकारी मृतक कालू के निवास स्थान बनकाखेड़ा और मृतका दुर्गा के पीहर सालरिया, मंडफिया में दी। परिजनों के मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर हमीरगढ़ चिकित्सालय ले गए, जहां मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द किया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि कालू ने दुर्गा का गला दबाने के साथ लोहे की फेट से वार किया था।

पुलिस की जांच के घेरे में कई पहलू

हमीरगढ़ सीआई सुनील बेड़ा ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला पत्नी की हत्या के बाद खुदकुशी का है। लेकिन, पुलिस हत्या और आत्महत्या के पीछे के असली कारणों को तलाशने के लिए अन्य कई पहलुओं को आधार मानकर गहनता से जांच कर रही है कि आखिर ऐसा क्या हुआ जो हंसते-खेलते दंपती को यह कदम उठाना पड़ा।

मासूमों के सिर से उठा साया, मां की टूटी बुढ़ापे की लाठी, गांव में पसरा सन्नाटा

इस खौफनाक कदम ने एक हंसते-खेलते परिवार को पलभर में उजाड़ कर रख दिया है। मृतक दंपती अपने पीछे दो मासूम बच्चों को छोड़ गए हैं, जिनमें एक 7 साल का बेटा और एक 3 साल की बेटी है। माता-पिता की मौत की खबर के बाद से ही दोनों मासूमों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया, और सायं तक अपनी पथराई आंखों से माता-पिता के आने का इंतजार में गली के मोड़ पर नजरें टिकाए रहे। कालू की मौत से उनकी मां पर भी दुखों का पहाड़ टूटा और उनके बुढ़ापे की लाठी टूट गई, क्योंकि कालू अपने पिता का इकलौता था, पिता की मौत के बाद कालू ही परिवार का पालन पोषण कर रहा था। जैसे ही बनकाखेड़ा गांव में दोनों की मौत की खबर पहुंची, परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया। हर कोई अचंभित है कि जो दंपती रविवार शाम को खुशी-खुशी घर से निकला था, वह चंद घंटों में इस दुनिया से रुखसत हो गया।

गंठजोड़ में निकली शव यात्रा तो हर आंख हुई नम

सोमवार सायं करीब 6:00 बजे दोनों के शव गांव पहुंचे, तो घर में कोहराम मच गया और हर तरफ चीख-पुकार फूट पड़ी, घर के सभी सदस्यों का बुरा हाल हो गया। कुछ देर बाद दोनों के शवों की एक साथ गंठजोड़ शव यात्रा निकली, शव यात्रा गांव की मुख्य मार्ग से होते हुए शमशान घाट में पहुंची, इस दौरान सभी की आंखें नम हो गई, हर जुबान पर एक ही सवाल था कि ऐसा क्या हुआ जो कालू ने यह कदम उठाया। दोनों ही शवों का अलग-अलग चिता पर एक साथ अंतिम संस्कार किया गया।

लाडो प्रोत्साहन योजना से बेटी के भविष्य को मिला संबल

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिले की ग्राम पंचायत रीछड़ा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में राज्य सरकार की लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत लाभार्थी श्रीमती माया प्रजापत को पुत्री जन्म पर 2,500 की दूसरी किश्त का चेक एवं बधाई संदेश प्रदान किया गया।

योजना के तहत पात्र बालिका को जन्म से लेकर स्नातक तक सात चरणों में कुल 1.50 लाख की वित्तीय सहायता डीबीटी के माध्यम से दी जाती है। लाभ मिलने पर माया प्रजापत ने कहा कि यह सहायता उनकी बेटी की शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य के लिए बड़ी संबल साबित होगी। उन्होंने राज्य सरकार, उपखंड प्रशासन और महिला अधिकारिता विभाग का आभार व्यक्त किया।

इस दौरान तहसीलदार ललित सैन, नायब तहसीलदार रोनक शर्मा, विकास अधिकारी जितेंद्र गुरनानी, महिला अधिकारिता विभाग की पर्यवेक्षक मीनल विजयवर्गीय सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सोनी करेड़ा तहसील अध्यक्ष नियुक्त

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राष्ट्रीय मानवाधिकार पर्यावरण सुरक्षा एवं भ्रष्टाचार निवारण संगठन के जिला अध्यक्ष रतनलाल आचार्य ने कार्यकारणी का विस्तार करते हुए। करेड़ा निवासी गोविंद सोनी को संगठन के करेड़ा तहसील अध्यक्ष पद पर नियुक्त कर संगठन की रीति नीति के अनुसार कार्य करते हुए संगठन का विस्तार करते हुए तहसील कार्यकारिणी का शीघ्र ही गठन करें।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन ने सेवा भाव से मनाया स्थापना दिवस

श्रद्धा आश्रम में वृद्धजनों की सेवा कर दिया सम्मान और संवेदना का संदेश

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन, भीलवाड़ा द्वारा संगठन के स्थापना दिवस के अवसर लोकसभा सचेतक और भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल के मार्गदर्शन और निर्देशन पर वृद्धा आश्रम में वृद्धजनों की सेवा कर स्थापना दिवस को सेवा, सम्मान एवं समर्पण की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर फेडरेशन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने वृद्धजनों का सम्मान किया, उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा उनके साथ समय व्यतीत कर सेवा कार्यों में सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष रामेश्वर लाल काबरा ने कहा कि वृद्धजन समाज की अमूल्य धरोहर-हैं तथा उनकी सेवा एवं सम्मान करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक

दायित्व है। महिला संभागीय अध्यक्ष मधु जाजू और मीडिया प्रभारी मनीष बंब ने अपने संयुक्त उद्बोधन में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन सदैव सामाजिक सेवा, जनकल्याण एवं मानवीय मूल्यों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध रहा है और भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्यों का क्रम निरंतर जारी रहेगा।

युवा जिलाध्यक्ष अंकित सोमानी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन के जिलाध्यक्ष रामेश्वर लाल काबरा, संभागीय महिला अध्यक्ष श्रीमती मधु जाजू, जिला महामंत्री ललित अग्रवाल, महिला प्रदेश मंत्री प्रतिभा मानसिंहका, पूर्व जिला कार्यकारी अध्यक्ष श्री ओपी हिंगड़, महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती लीला राठी, युवा जिला अध्यक्ष अंकित सोमानी, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री रामप्रकाश पोरवाल, जिला कोषाध्यक्ष श्री संजय राठी, युवा जिला महामंत्री श्री राकेश जैन सहित हर्ष राठी, मनीष सेठी, मितेश सोडाणी, जितेंद्र बांठिया, राहुल सोमानी, ऋषभ पोरवाल, अभिषेक जागेटिया, गुणमाला अग्रवाल, स्नेहलता पटवारी, कुसुम पोखरणा, जतन हिंगड़, कल्पना माहेश्वरी, सुनीता कटारिया, गीता देवी काबरा, रमेश चंद्र कोठारी एवं शिवकांता कोठारी सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने समाज के वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान एवं सेवा की भावना को जीवन में आत्मसात करने तथा सामाजिक सरोकारों के प्रति सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन वृद्धजनों के आशीर्वाद एवं सेवा कार्यों के संकल्प के साथ हुआ।

विजयनगर में अशोक अग्रवाल का भव्य अभिनंदन

स्मार्ट हलचल

बिजयनगर। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा श्री अशोक अग्रवाल को पूर्वी राजस्थान का प्रदेश संगठन मंत्री मनोनीत किए जाने पर रविवार शाम श्री अग्रसेन भवन में भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह श्री अग्रसेन मंडल बिजयनगर के तत्वावधान में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ अग्रसेन जी महाराज के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। श्री अग्रसेन मंडल, नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल के पदाधिकारियों ने श्री अग्रवाल का पुष्पमाला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए श्री अग्रसेन मंडल अध्यक्ष विजय बिंदल ने कहा कि अशोक अग्रवाल को महत्वपूर्ण दायित्व मिलने से पूर्वी

राजस्थान में सामाजिक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी। उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा समाज सेवा के कार्य व्यापक स्तर पर होंगे।

नव मनोनीत प्रदेश संगठन मंत्री अशोक अग्रवाल ने अभिनंदन स्वीकार करते हुए कहा कि संगठन की असली ताकत समाज की एकता में है। एकजुट होकर ही हम समाज को प्रगति के नए आयाम दे सकते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व द्वारा मुझ पर जताए गए विश्वास के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि इस दायित्व को पूरी निष्ठा से निभाऊंगा।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं महिलाओं ने भी श्री अग्रवाल को बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की

समारोह में श्री अग्रसेन मंडल के संरक्षक मधुसूदन कानोडिया, सचिव चंद्रप्रकाश गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्रवण कुमार नागोरी, महावीर प्रसाद तायल, विजय जिंदल, अशोक गोयल, जुगलकिशोर तायल, मुकेश तायल, विनोद नागोरी, प्रवीण बंसल, दामोदर प्रसाद तायल, एस.एस. अग्रवाल, गोपाल गोयल, कैलाश गर्ग, सुधीर मित्तल उपस्थित थे।

नवयुवक मंडल से अध्यक्ष मनोज तायल, सुभाष नागोरी, मनीष नागोरी, अर्पित गर्ग, संस्कार मित्तल, रोनक तायल कृष्णा तायल, रोनीश गुप्ता, पुनीत सिंघल, मनीष मंगल, रितेश सिंघल एवं महिला मंडल से अध्यक्ष शिल्पी मित्तल, माया नागोरी, अनीता अग्रवाल, ममता तायल, नीता तायल, अनीता नागोरी, विमला गोयल, इन्द्रा तायल, वंदना कानोडिया सहित अनेक अग्रबंधु मौजूद रहे।

कार्यक्रम के अंत में श्रीअग्रसेन मंडल अध्यक्ष विजय बिंदल ने सभी आगंतुकों एवं पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

पारीक लघु उद्योग भारती में बने प्रवक्ता

स्मार्ट हलचल| कोटा

अखिल भारतीय संगठन लघु उद्योग भारती (कोटा इकाई) ने सत्र 2025-2027 के लिए राहुल पारीक को संस्था के मीडिया प्रभारी पद पर नियुक्त किया है। संगठन के अध्यक्ष अंकुर गुप्ता द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में उनके अनुभव, कार्यकुशलता एवं समर्पण को इस जिम्मेदारी का आधार बताया गया है।

नियुक्ति पत्र के अनुसार प्रवक्ता (मीडिया प्रभारी) के रूप में पारीक की जिम्मेदारी संस्था की गतिविधियों का प्रचार-प्रसार करना, मीडिया के साथ समन्वय स्थापित रखना, समाचार व सूचनाओं का प्रसारण करना तथा संगठन की सकारात्मक छवि को सुदृढ़ करना होगी।

संगठन के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि पारीक अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा और ईमानदारी से करेंगे तथा संस्था की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

नालियां बनीं मुसीबत, जर्जर सड़कें बनी हादसों की वजह; वार्ड-12 के लोगों ने नगर पालिका का घेराव कर सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। नगर पालिका के वार्ड नंबर 12 में लंबे समय से बदहाल नालियों, जर्जर सड़कों और पेयजल पाइपलाइन लीकेज की समस्या से परेशान मोहल्लावासियों का सोमवार को सब्र टूट गया। बड़ी संख्या में महिलाएं और स्थानीय नागरिक नगर पालिका पहुंचे, जहां उन्होंने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि क्षेत्र की नालियों की नियमित सफाई नहीं होने

और उचित जल निकासी व्यवस्था के अभाव में गंदा पानी सड़कों पर जमा रहता है। इससे पूरे मोहल्ले में कीचड़, दुर्गंध और गंदगी का माहौल बना हुआ है। वहीं क्षतिग्रस्त सड़कें लोगों के लिए रोजाना हादसों का कारण बन रही हैं। दोपहिया वाहन चालक आए दिन फिसलकर घायल हो रहे हैं, जबकि कई बुजुर्ग भी सड़क पर गिरकर चोटिल हो चुके हैं।

मोहल्लावासियों ने आरोप लगाया कि चंबल पेयजल परियोजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए सीसी सड़क को बीच से खोदा गया था, लेकिन करीब छह माह बीत जाने के बाद भी सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई। साथ ही पाइपलाइन लीकेज के कारण प्रतिदिन हजारों लीटर पेयजल व्यर्थ बह रहा है, जिससे कई घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है।क्षेत्रवासियों ने यह भी बताया कि सड़क किनारे उगी घनी एवं कांटेदार झाड़ियां राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा बनी हुई हैं। कई बार नगर पालिका एवं जनसुनवाई में शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया।

ज्ञापन में नालियों की नियमित सफाई, जल निकासी की समुचित व्यवस्था, जर्जर सड़कों की तत्काल मरम्मत, पाइपलाइन लीकेज ठीक कराने तथा सड़क किनारे उगी झाड़ियों की सफाई कराने की मांग की गई। नागरिकों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई और भविष्य में कोई दुर्घटना या जनहानि होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और प्रशासन की होगी।

नगर पालिका में मोहल्लावासियों ने जैन साहब को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान मुख्य कार्यकर्ता महेश कुमार शर्मा, मुकेश जाट एवं रमेश बैरवा सहित पूर्व सरपंच मूल सिंह सोढ़ा, पूर्व पार्षद राजू खटीक, कैलाश पाराशर, रामदेव गुर्जर, राजू सेन, नंदकिशोर खींची, टोनू जांगिड़, ईश्वर गुर्जर, ज्ञानमल खटीक, ओम बैरवा, प्रांजल सिंह राजपूत, अमन शर्मा, हर्षित शर्मा, पिंटू खटीक, रामदेव टेपन, शिशपाल कोली, ताराचंद कोली तथा बड़ी संख्या में महिलाएं और मोहल्लावासी मौजूद रहे।

बॉक्स क्रिकेट ऑक्शन में गूंजा खेल का रोमांच, महिला टीमों का पहली बार एआई जनरेटेड ड्रॉ से चयन

जैन ज्योति युवा समिति ने पारदर्शी चयन प्रक्रिया के साथ खेल महोत्सव का बढ़ाया उत्साह

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जैन ज्योति युवा समिति द्वारा आयोजित खेल महोत्सव के अंतर्गत 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता का बहुप्रतीक्षित ऑक्शन रविवार को आई मेड इंस्टीट्यूट में उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। खिलाड़ियों की नीलामी पूरी तरह पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित तरीके से की गई, जबकि महिला वर्ग की क्रिकेट टीमों का चयन पहली बार आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) जनरेटेड ड्रॉ के माध्यम से किया गया, जिसने आयोजन को विशेष आकर्षण प्रदान किया। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष विमल पीतलिया, मंत्री देवेंद्र डुंगरवाल, खेलकूद मंत्री कुलदीप नागौरी सहित समिति के अनेक

पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। आयोजन का शुभारंभ मुख्य संयोजक दीपक पीतलिया ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए किया। इसके बाद मुख्य चयनकर्ता पवन बोहरा ने टीम कप्तानों को ऑक्शन की संपूर्ण प्रक्रिया, नियमों एवं दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखते हुए खिलाड़ियों का चयन कराया, जिससे सभी टीमों को संतुलित एवं प्रतिस्पर्धी स्वरूप मिल सका।

महिला वर्ग की टीमों का चयन इस बार पहली बार एआई जनरेटेड ड्रॉ के माध्यम से किया गया। इस दौरान जैन ज्योति महिला समिति की अध्यक्ष वर्षा दक, मंत्री खुशबू नागौरी, महिला क्रिकेट संयोजक डिंपल पीतलिया, दीपिका नागौरी, कीर्ति डुंगरवाल सहित महिला समिति की कई सदस्य उपस्थित रहीं। नई तकनीक के माध्यम से चयन प्रक्रिया को सभी ने सराहा। आयोजन के दौरान कार्यकारिणी सदस्य विजय पीतलिया, अजीत डुंगरवाल, तरुण डुंगरवाल, सौरभ दक, रवि दक, विनीत पीतलिया, दीपक बोहरा, मनीष गांधी, मयंक पीतलिया, कुणाल देरासरिया, मुकेश नागौरी, तुषार नागौरी एवं विनीत नंगावत सहित अनेक सदस्यों ने व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में आई मेड इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर रॉबिन मेहता ने सभी खिलाड़ियों, टीम स्पॉन्सर्स, सहयोगकर्ताओं एवं उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खेल महोत्सव समाज में खेल भावना, अनुशासन और आपसी भाईचारे को मजबूत करेगा। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि खेल महोत्सव का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना तथा सामाजिक एकता को मजबूत करना है। प्रतियोगिताओं के आगामी मुकाबलों को लेकर प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

अधिवक्ता पर जानलेवा हमले से वकीलों में आक्रोश, अनिश्चितकालीन न्यायिक बहिष्कार

स्मार्ट हलचल| मांडलगढ़

मांडलगढ़ बार एसोसिएशन ने अधिवक्ता शराफत हुसैन पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में सोमवार को एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित कर पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। बार एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि घटना के कई दिन बाद भी नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से अधिवक्ता समाज में भारी रोष है।

बार एसोसिएशन के अनुसार 3 जुलाई को न्यायालय परिसर के बाहर अधिवक्ता शराफत हुसैन पर विरोधी पक्ष की पैरवी करने की रंजिश में धारदार हथियारों से हमला किया गया। मौके पर मौजूद अन्य अधिवक्ताओं ने हस्तक्षेप कर उनकी जान बचाई, अन्यथा गंभीर अनहोनी हो सकती थी।

प्रस्ताव में निर्णय लिया गया कि यदि नामजद आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी नहीं होती है तो न्यायिक कार्य का बहिष्कार अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा। साथ ही 7 जुलाई से न्यायालय परिसर में धरना एवं

भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। राजस्थान बार काउंसिल, राजस्थान बार एसोसिएशन तथा प्रदेशभर के बार संघों से भी आंदोलन में सहयोग का आह्वान किया गया है।

बार एसोसिएशन ने उपखंड अधिकारी द्वारा आरोपियों को जमानत दिए जाने की प्रक्रिया पर भी आपत्ति जताते हुए मामले की उच्चस्तरीय जांच और संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। प्रस्ताव की प्रतिलिपि पुलिस महानिदेशक, पुलिस अधीक्षक, राजस्थान के समस्त बार संघों तथा मीडिया को भेजी गई है।

खेल संकुल में दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का हुआ भव्य शुभारंभ

स्मार्ट हलचल| बूंदी

राजस्थान कुश्ती संघ प्रदेश अध्यक्ष राजीव दत्ता के निर्देशन में खेल संकुल में दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ सोमवार को हुआ। इस गरिमामयी समारोह के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर हरफूल सिंह यादव रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्षता जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि कुश्ती संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष इंद्र कुमार दत्ता , प्रदेश कुश्ती संघ सचिव उम्मेद सिंह, अतिथियों ने बालाजी महाराज के चित्रपर दीप प्रज्वलित और माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की । मीडिया प्रभारी अभिषेक जैन ने बताया कि कार्यक्रम से पूर्व प्रतियोगिता के आयोजन सचिव भरत शर्मा और संयोजक सुनील जैन सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने मुख्य अतिथि सहित सभी गणमान्य अतिथियों का माला, दुपट्टा और स्मृति चिह्न भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति दी ।

कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों ने अखाड़े में उतरकर प्रदेशभर से आए पहलवानों से परिचय लिया । मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर हरफूल सिंह यादव ने अपने उद्बोधन में पहलवानों से कहा कि आज इस भव्य कुश्ती प्रतियोगिता में आप सभी खिलाड़ियों, आयोजकों और खेल प्रेमियों के बीच उपस्थित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। कुश्ती हमारी गौरवशाली भारतीय संस्कृति और वीरता का प्रतीक है। यह खेल न केवल शारीरिक शक्ति, बल्कि अनुशासन, धैर्य और संयम का भी परिचय देता है। अखाड़े की

यह मिट्टी हमारे युवाओं को निरंतर संघर्ष करने और चुनौतियों का डटकर सामना करने की प्रेरणा देती है। राज्य सरकार प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। आप जैसे होनहार खिलाड़ियों का कौशल न केवल खेल के क्षेत्र में बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मैं सभी पहलवानों से यही कहूँगा कि जीत और हार से ऊपर उठकर खेल भावना के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। आपकी मेहनत और लगन ही आपको सफलता के शिखर तक ले जाएगी। मैं इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देता हूँ।

अध्यक्षता कर रहे जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि राज्यस्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता के आयोजन पर आप सभी के बीच उपस्थित होना मेरे लिए बेहद हर्ष और गौरव का विषय है। सबसे पहले मैं आयोजन समिति को बधाई देता हूँ, जिन्होंने हमारी पारंपरिक मिट्टी से जुड़े इस खेल को बढ़ावा देने के लिए इतना शानदार मंच तैयार किया है। कुश्ती केवल एक खेल नहीं है, यह हमारी संस्कृति, हमारे संस्कारों और हमारे गौरव का प्रतीक है। यह मिट्टी से जुड़कर जीने और विपरीत परिस्थितियों में भी हार न मानने की सीख देती है। एक पहलवान केवल अखाड़े में ही नहीं लड़ता, बल्कि उसका कड़ा अनुशासन, मेहनत और दृढ़ संकल्प उसे जीवन की हर परीक्षा में विजयी बनाता है।

महिला और पुरुष पहलवानों ने दिखाया दमखम

प्रतियोगिता के पहले दिन से ही मैट पर कड़ा मुकाबला देखने को मिला। पुरुष वर्ग- अलग-अलग भार वर्गों में पुरुष पहलवानों ने दांव-पेंच दिखाकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। महिला वर्ग- महिला पहलवानों ने भी अपने बेहतरीन कौशल और ताकत का प्रदर्शन कर यह साबित किया कि वे किसी से कम नहीं हैं। इस प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए शीर्ष पहलवान हिस्सा ले रहे हैं। दो दिनों तक चलने वाले इस महाकुंभ में विजेताओं को मंगलवार को समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा।

अफीम किसानों की मांगों को लेकर 6 जुलाई से अनिश्चितकालीन धरना

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

भारतीय अफीम किसान विकास समिति चित्तौड़गढ़ एवं भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के संयुक्त तत्वावधान में 6 जुलाई को सुबह 11 बजे से किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। इस दौरान राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा जाएगा।

ज्ञापन में आबकारी विभाग द्वारा अफीम किसानों को दी जा रही चेतावनियों पर आपत्ति जताते हुए डोडा चूरा के ठेके पुनः शुरू करने, डोडा चूरा खरीद की व्यवस्था करने तथा इसका मूल्य एक हजार रुपये प्रति किलोग्राम निर्धारित करने की मांग की गई है।

इसके अलावा अफीम का समर्थन मूल्य 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम करने, वर्ष 1998-99 से लंबित लाइसेंस जारी करने, नए लाइसेंस देने, किसानों का रिकॉर्ड ऑनलाइन करने, सभी फसलों के एमएसपी में प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत वृद्धि तथा नर्मदा नदी से नहर लाकर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई है।

समिति ने सभी अफीम किसानों एवं अन्य किसानों से अधिक से अधिक संख्या में धरना-प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है।

09447/09448 अहमदाबाद-पटना स्पेशल ट्रेन का एक और फेरा मंजूर, कोटा होकर गुजरेगी

यात्रियों की अतिरिक्त मांग को देखते हुए रेलवे ने बढ़ाया एक और फेरा

स्मार्ट हलचल|कोटा

यात्रियों की सुविधा एवं बढ़ती यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने अहमदाबाद-पटना स्पेशल ट्रेन (गाड़ी सं. 09447/09448) के परिचालन में एक अतिरिक्त फेरा स्वीकृत किया है। यह विशेष ट्रेन कोटा मंडल के कोटा स्टेशन सहित मार्ग के प्रमुख स्टेशनों पर पूर्व निर्धारित ठहराव के साथ संचालित होगी।

गाड़ी सं. 09447 अहमदाबाद-पटना स्पेशल 8 जुलाई 2026 (बुधवार) को शाम 19:25 बजे अहमदाबाद से प्रस्थान करेगी। यह अगले दिन प्रातः 03:50 बजे कोटा पहुंचेगी तथा उसी दिन रात्रि 00:30 बजे पटना जंक्शन पहुंचेगी।

वापसी में गाड़ी सं. 09448 पटना-अहमदाबाद स्पेशल 10 जुलाई 2026 (शुक्रवार) को रात्रि 22:30 बजे पटना जंक्शन से प्रस्थान करेगी। यह अगले दिन शाम 16:35 बजे कोटा पहुंचेगी तथा उसके बाद मध्यरात्रि 02:20 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

यह विशेष ट्रेन दोनों दिशाओं में छायापुरी, रतलाम, कोटा, आगरा फोर्ट, कानपुर सेंट्रल तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन सहित प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव करेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पूर्व गाड़ी के समय, ठहराव एवं परिचालन की अद्यतन जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा एनटीईएस मोबाइल ऐप से प्राप्त कर लें।

चौबीसा ब्राह्मण हितकारी समिति का युवा शक्ति सम्मेलन अब 19 को

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

चौबीसा ब्राह्मण हितकारी समिति, उदयपुर की कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक आज सेक्टर 14 स्थित समिति के निर्माणाधीन भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के संरक्षक डॉ. शरद चंद्र पुरोहित ने की।

समिति के महासचिव हरीश चौबीसा ने बताया कि बैठक में मुख्य रूप से 'चौबीसा युवा शक्ति सम्मेलन' एवं 'वार्षिक आम सभा' की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। यह कार्यक्रम पहले 12 जुलाई 2026 को प्रस्तावित था, लेकिन इसी दिन 'विप्र फाउंडेशन जोन 1' द्वारा भी विप्र युवाओं के सम्मान का कार्यक्रम रख दिया गया। दोनों भव्य आयोजनों का समय एक ही होने के कारण समाज के युवाओं में किसी भी प्रकार का असमंजस (कंफ्यूजन) न रहे, इसे ध्यान में

रखते हुए कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से कार्यक्रम की तिथि को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। अब यह आयोजन 19 जुलाई 2026 (रविवार) को संपन्न होगा।

इन प्रतिभावान युवाओं का होगा सम्मान:

महासचिव ने बताया कि सम्मेलन में चौबीसा समाज के उन युवाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने जनवरी 2021 के बाद निम्नलिखित क्षेत्रों में सफलता हासिल की है:

केंद्र या राज्य सरकार के अधीन राजपत्रित अथवा अराजपत्रित पद पर नियुक्ति।

कॉर्पोरेट/प्राइवेट सेक्टर में सम्मानजनक पदों पर चयन।स्वयं का स्टार्टअप, उद्योग या नया बिजनेस स्थापित करने वाले युवा उद्यमी।

विश्वविद्यालय स्तर पर गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले छात्र।विद्यावाचस्पति की उपाधि प्राप्त करने वाले शोधार्थी।

वार्षिक आम सभा और उपसमिति का गठन:

इसी दिन समिति की वार्षिक बैठक (आम सभा) भी आयोजित होगी, जिसमें संस्था द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की समीक्षा, वर्षभर के आय-व्यय का ब्यौरा तथा समिति के आगामी प्रोजेक्ट्स और भविष्य की कार्ययोजना की जानकारी दी जाएगी। 19 जुलाई के इस भव्य समागम को सुचारू और सफल बनाने के लिए बैठक में एक विशेष उपसमिति का भी गठन किया गया है। इस दौरान वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. महामाया प्रसाद चौबीसा, मधु श्याम चौबीसा, कोषाध्यक्ष मनोहर लाल चौबीसा, सह कोषाध्यक्ष अरुण चौबीसा, उपाध्यक्ष शांतिलाल चौबीसा, कार्यकारिणी सदस्य प्रफुल्ल चौबीसा, गजेंद्र चौबीसा और अशोक मंडावत सहित समाज के कई प्रबुद्धजन एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कॉलेज परिसर में किया पौधारोपण

स्मार्ट हलचल|सूरौठ

हरियालो राजस्थान एवं मुख्यमंत्री पौधारोपण महाभियान के तहत सोमवार को राजकीय कॉलेज में सूरौठ नगरपालिका के तत्वाधान में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका की अधिशाषी अधिकारी रीना खंडेलवाल, पालिका कार्मिकों एवं कॉलेज के प्राध्यापकों ने नीम, आम, अमरूद, सफेदा सहित कई तरह के पौधे लगाए।

कार्यक्रम में डॉ. जितेंद्र कटारा, डॉ. सचिन कुमार, डॉ. पंकज गुप्ता, डॉ. अंबिका, डॉ. हरदयाल धाकड़, गोविंद प्रसाद, अमित जाट, महेंद्र चौधरी, अनिल चौधरी सहित कई

प्रबुद्धजन मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल और व्यवस्थित बनाने में स्काउट गाइड के सदस्यों का विशेष और सराहनीय योगदान रहा। राज्य पुरस्कार से सम्मानित रोवर, केशव शर्मा, पारस मीणा और अनिल कुमार के नेतृत्व में स्काउट्स ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए पौधों की सुरक्षा और रोपण का जिम्मा संभाला।

आईआईएम उदयपुर बनेगा हरित परिसर का मॉडल

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

मानसून के दौरान व्यापक पौधारोपण अभियान को लेकर ग्रीन पीपल सोसायटी और भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), उदयपुर के बीच सोमवार को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में संस्थान परिसर को स्थानीय जैव-विविधता के अनुरूप विकसित करते हुए इसे हरित परिसर के मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में आईआईएम उदयपुर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्री प्रकाश बिदियप्पा ने संस्थान परिसर का विस्तृत प्रेजेंटेशन देते हुए पूरे कैंपस का मास्टर प्लान प्रस्तुत किया। इसमें उन स्थलों को चिन्हित

किया गया, जहाँ वर्तमान मानसून सत्र में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जा सकता है।

प्रस्तुतीकरण के बाद ग्रीन पीपल सोसायटी के विशेषज्ञों ने परिसर का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने विभिन्न स्थानों का आकलन करते हुए स्थानीय जलवायु एवं भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप देशी प्रजातियों के पौधारोपण की व्यापक संभावनाएँ चिन्हित कीं। विशेषज्ञों ने अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक हरित विकास योजना पर भी अपने सुझाव दिए।

ग्रीन पीपल सोसायटी ने पौधों के चयन, वैज्ञानिक पौधारोपण, तकनीकी परामर्श तथा आवश्यक लॉजिस्टिक सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन देते हुए संस्थान के साथ मिलकर इस अभियान को सफल बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

ग्रीन पीपल सोसायटी के अध्यक्ष श्री राहुल भटनागर के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्ष डॉ. शरद श्रीवास्तव, सचिव डॉ. सतीश शर्मा, प्रो. इंदरजीत माथुर, श्री सुहेल मजबूर, श्री प्रताप सिंह, डॉ. आनंद सिंह जोधा तथा श्री जगमल सिंह खंगारोट शामिल रहे।

बैठक में दोनों संस्थाओं ने पर्यावरण संरक्षण, जैव-विविधता संवर्धन तथा सतत विकास के उद्देश्य से संयुक्त रूप से कार्य करने पर सहमति व्यक्त की। विश्वास जताया गया कि यह पहल आईआईएम उदयपुर परिसर को एक समृद्ध, पर्यावरण-अनुकूल और प्रेरणादायी हरित कैंपस के रूप में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

आषाढी बीज को श्री हिंगलाज माताजी की प्राण प्रतिष्ठा का एक वर्ष पूर्ण

स्मार्ट हलचल|बूंदी

दिनांक 05.07.2026 को सालवी समाज की बैठक आयोजित की गई जिसमें उपस्थित समाज के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया कि दिनांक 16.07.2026 आषाढी बीज को श्री हिंगलाज माताजी की नवीन निर्माण एवं प्राण प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रथ यात्रा को विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जाएगे। इस वर्ष कार्यक्रम भव्य ओर विशाल होगा। समाज के सभी आमजन कार्यक्रम को सफल बनाते हुए श्री हिंगलाज माता का आशीर्वाद ले। समाज अध्यक्ष राजकुमार राठौड़ ने बताया कि समाज के महिला, पुरुष परिवार सहित महाआरती के बाद प्रसादी ग्रहण करे।

कार्यक्रम अनुसार श्री हिंगलाज माता जी की शोभायात्रा प्रातः 9.00 से 11.00 बजे तक निकाली जावेगी जो नवल सागर तालाब होकर अभयनाथ महादेव मंदिर के सामने

से गुजरते हुए रामप्रकाश टाकिज से होकर बालचंद पाडा से गुजरते हुए सुरज जी के बड से वापस नवल सागर के पास स्थित श्री हिंगलाज माता मंदिर पहुंचकर समाप्त होगी।

दोपहर 2.00 बजे से भजन कार्यक्रम महिला मंडल पर आधारित रहेगा जिसकी सूचना श्रद्धालुओं को कार्यक्रम से पूर्व उपलब्ध करवा दी जावेगी। इस प्रकार बैठक के सफल आयोजन के तहत लिये गये निर्णय के साथ समाज की बैठक सम्पन्न हुई।

पुलक सागर जी महाराज का चित्तौड़गढ़ आगमन पर कांग्रेसजनों ने किया भव्य स्वागत

स्मार्ट हलचल|चित्तौड़गढ़

राष्ट्रीय संत भारत गौरव आचार्य 108 श्री पुलक सागर जी महाराज के पावन चित्तौड़गढ़ आगमन पर पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत के नेतृत्व में कांग्रेस जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा स्टेशन से निंबाहेड़ा रोड स्थित कृषि उपज मंडी गेट के बाहर भव्य एवं श्रद्धापूर्ण स्वागत किया गया।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चित्तौड़गढ़ के प्रवक्ता नवरतन जीनगर ने बताया कि संत श्री के स्वागत के अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने पुष्पमालाएं एवं पुष्पवर्षा कर आचार्य श्री का आत्मीय अभिनंदन किया तथा उनके आशीर्वचन प्राप्त किए।

इस अवसर पर वरिष्ठ नेता प्रेम प्रकाश मूंदड़ा, अनिल सोनी, विक्रम जाट, पूर्व सभापति रमेशनाथ योगी, प्रदेश सचिव रणजीत लोट, मोहनसिंह भाटी, अर्जुन रायका, कमल गुर्जर, गोविंद शर्मा, प्रमोद सिंह तंवर, राकेश घारू, गणेश जाटोलिया, शैलेंद्र सिंह शक्तावत, शंभुलाल प्रजापत, रामेश्वर बैरवा, मंजू मूंदड़ा, कलिका जैन, नितिन वर्मा, मनोहर मेनारिया, गजेंद्र सिंह भाटी, श्रीलाल गुर्जर, नवीन जैन, गिरिवर सिंह, देवीलाल गुर्जर, शंभुलाल गाडरी सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर विचार गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित

स्मार्ट हलचल

बिजयनगर। भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं प्रखर राष्ट्रवादी विचारक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित कुमार मोदी के नेत्वृत मे श्रद्धांजलि एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा मण्डल बिजयनगर प्रभारी जगदेव सिंह राठौड मौजूद रहे ! पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी

श्रद्धांजलि दी तथा उनके राष्ट्रवाद, एकात्मता और जनसेवा के विचारों को स्मरण किया।

इस अवसर पर भाजपा मण्डल अध्यक्ष अमित कुमार मोदी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनका 'एक देश, एक विधान, एक निशान' का संकल्प आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से उनके आदर्शों पर चलते हुए राष्ट्रहित और समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मण्डल अध्यक्ष अमित कुमार मोदी, मण्डल प्रभारी जगदेव सिंह राठौड, सतीश ओझा, हितेश मेवाडा, मनीष वैष्णव महेन्द्र पंवार, ज्ञानचन्द प्रजापत, अनिल रामनानी, हिमांशु कटारा, गौरी शंकर तिवाडी, प्रेम चन्द गर्ग, अनिल शर्मा दिपांशु शर्मा,वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

3 किमी सड़क के अभाव में ग्रामीण बेहाल, कलेक्टर से लगाई पक्के मार्ग निर्माण की गुहार

बारिश में कट जाता है संपर्क, मरीजों और विद्यार्थियों को सबसे ज्यादा परेशानी; सुनारी से बोलिया बुजुर्ग तक सड़क बनाने की मांग

स्मार्ट हलचल| सुनेल

ग्राम पंचायत सांगरिया के अंतर्गत आने वाले गांव सुनारी के ग्रामीणों ने सुनारी से बोलिया बुजुर्ग तक लगभग 3 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क का निर्माण करवाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर झालावाड़ को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों से सड़क नहीं होने के कारण हजारों लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार गांव सुनारी, सांगरिया से करीब 6 किलोमीटर दूर स्थित है। सड़क के अभाव में ग्रामवासियों को ग्राम पंचायत, स्कूल, अस्पताल और अन्य सरकारी सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाई होती है। बारिश के दिनों में कच्चा रास्ता कीचड़ में तब्दील हो जाता है, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती है और लोगों का आवागमन लगभग ठप पड़ जाता है।

ग्रामीणों ने बताया कि आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों और बुजुर्गों को समय पर अस्पताल पहुंचाना बड़ी चुनौती बन जाता है। कई बार सड़क और वाहन सुविधा के अभाव में गंभीर मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से इस सड़क का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत कर जल्द कार्य शुरू कराने की मांग की है।

108 पौधों के रोपण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप का हरित अभियान

लवकुश वाटिका में अनुभव एवं अतिवीर ग्रुप का संयुक्त आयोजन, जनभागीदारी से हरित भविष्य का लिया संकल्प

स्मार्ट हलचल| कोटा

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप अनुभव एवं अतिवीर के संयुक्त तत्वावधान में लवकुश वाटिका में वृहद पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया। अभियान के तहत ग्रुप के दम्पति सदस्यों ने सामूहिक रूप से 108 पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संकल्प लिया। कार्यक्रम में आम, जामुन, नीम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए।

अनुभव ग्रुप के अध्यक्ष अशोक जोरा एवं अतिवीर ग्रुप के अध्यक्ष महावीर शाह ने बताया कि फेडरेशन के निर्देशानुसार आयोजित इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा समाज को वृक्षारोपण के

साथ उनके संरक्षण के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को पौधा लगाने के साथ उसकी नियमित देखभाल का भी संकल्प लेना चाहिए। वृक्षों का संरक्षण ही पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

एडीशनल कमांडेंट आरएसी पवन जैन ने कहा कि हरित वातावरण स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज की आधारशिला है। पर्यावरण संरक्षण के लिए सामाजिक संगठनों द्वारा जनसहभागिता से संचालित ऐसे अभियान समय की आवश्यकता हैं।

फेडरेशन के राष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव जे.के. जैन एवं उमेश अजमेरा ने कहा कि सामाजिक संगठन सेवा, संस्कार और पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत नींव रखते हैं। उन्होंने अधिकाधिक लोगों से पौधारोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

रीजन अध्यक्ष अनिल ठौरा तथा अतिवीर ग्रुप के अध्यक्ष मनोज पाटनी ने कहा कि वृक्षारोपण प्रकृति के प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण की जिम्मेदारी निभानी चाहिए, तभी हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण का लक्ष्य साकार हो सकेगा।

अभियान में ग्रुप के दम्पति सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। इस अवसर पर विमल कुमार जैन, प्रकाशचंद जैन, एस.के. दोषी, संदीप जैन, पदम सोगानी, महावीर शाह, महावीर जैन (माड़ साहब), निकुंज जैन, संदीप सेठी, कमल जैन, पी.सी. गोधा, अशोक रावका, राजमल पाटौदी, विजेन्द्र जैन, महावीर लुंग्या, सत्येंद्र जैन, भानु कुमार जैन सहित ग्रुप की महिला सदस्य उर्मिला जैन, पुष्पा जैन, मेद्या सेठी, अल्पना कंजोलिया, सीमा लुंग्या एवं सरला दोषी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पौधों के संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

आचार्य 108 श्री पुलक सागर जी महाराज का आज चित्तौड़गढ़ में ऐतिहासिक मंगल प्रवेश, 7 से 18 जुलाई तक होगा ज्ञान गंगा महोत्सव

स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। राष्ट्रीय संत एवं भारत गौरव आचार्य 108 श्री पुलक सागर जी महाराज का चित्तौड़गढ़ में मंगल प्रवेश मंगलवार, 7 जुलाई को प्रातः 6:30 बजे होगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर जैन समाज सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा भव्य स्वागत की तैयारियां की गई हैं।

आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष पारस कुमार सोनी, महामंत्री डॉ ज्ञान सागर जैन, उपाध्यक्ष राजकुमार गोधा एवं किला मंदिर कमिटी अध्यक्ष अध्यक्ष महेंद्र टोंगिया ने बताया कि आचार्य श्री के इस ऐतिहासिक आगमन को लेकर संपूर्ण समाज में अभूतपूर्व उत्साह है। मंगल प्रवेश यात्रा कलेक्ट्री चौराहा से प्रारंभ होकर मांगलिक धाम तक पहुंचेगी, जहां श्रद्धालु बड़ी संख्या में इस पुण्य अवसर के साक्षी बनेंगे तथा धर्म लाभ प्राप्त करेंगे।

इसके साथ ही, मुनि सेवा समिति, चित्तौड़गढ़ के अध्यक्ष मनोज पाटनी, महामंत्री नवीन पाटनी, मीडिया प्रभारी चंद्रेश बज एवं प्रचार-प्रसार मंत्री शोभित गंगवाल ने बताया कि मंगल प्रवेश के उपरांत 7 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 8:30 बजे से 10 बजे तक ज्ञान गंगा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में आचार्य श्री अपने प्रेरणादायी प्रवचनों के माध्यम से धर्म, संस्कृति, नैतिक जीवन, आत्मकल्याण एवं मानवीय मूल्यों पर मार्गदर्शन देंगे।

इस विशाल और ऐतिहासिक आयोजन का मुख्य संयोजन सकल दिगम्बर जैन समाज, मुनि सेवा समिति, चित्तौड़गढ़ तथा दिगंबर जैन महिला मंडल, चित्तौड़गढ़ द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

सकल दिगंबर जैन समाज एवं मुनि सेवा समिति के समस्त पदाधिकारियों ने क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से मंगल प्रवेश यात्रा एवं ज्ञान गंगा महोत्सव में परिवार सहित उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने का भावभीना आग्रह किया है।

हेम सिंह शेखावत के जन्मदिवस पर कांग्रेस सेवादल ने गौशाला में किया सेवा कार्य

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रदेशाध्यक्ष हेम सिंह शेखावत के जन्मदिवस के अवसर पर सोमवार को जिला कांग्रेस सेवादल, चित्तौड़गढ़ द्वारा जिलाध्यक्ष गौतम विजयवर्गीय के नेतृत्व में शास्त्री नगर गौशाला में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान गौशाला में गायों एवं बछड़ों को हरा चारा और गुड़ खिलाकर सेवा भाव के साथ जन्मदिवस मनाया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष गौतम विजयवर्गीय ने कहा कि हेम सिंह शेखावत गांधीवादी विचारधारा, सेवा, अनुशासन एवं समर्पण के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल संगठन को निरंतर नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है तथा जनसेवा के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले जिला कांग्रेस सेवादल के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही हेम सिंह शेखावत के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, सुख-समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में प्रदेश स्वास्थ्य सेवा समिति सदस्य प्रहलाद सालवी, यंग ब्रिगेड जिलाध्यक्ष प्रभु लाल जाट, महिला सेवादल अध्यक्ष सना खान, घोसुंडा मंडल अध्यक्ष एवं सेवादल विधानसभा अध्यक्ष दिनेश चंद्र शर्मा, वरिष्ठ नेता जोधराज तनवानी, याकूब खान, प्रकाश गोस्वामी, लीलाबाई, कन्या बाई, मीनाक्षी, संतोष, पार्वती बाई, रूपा बाई, चांदी बाई, केसरबाई, राजू बाई, वर्षा बैरवा, कुसुम, ज्योति सहित बड़ी संख्या में सेवादल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छात्रसंघ चुनाव जल्द घोषित करने की मांग, एनएसयूआई ने किया धरना-प्रदर्शन

चुनाव नहीं कराने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी, राज्यपाल, मुख्यमंत्री व कुलपति के नाम सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने सोमवार को महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चित्तौड़गढ़ में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर विशाल धरना-प्रदर्शन किया। जिला प्रतिनिधि इरफान खान के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए छात्रसंघ चुनाव की तिथि शीघ्र घोषित करने की मांग उठाई।

धरना-प्रदर्शन के बाद राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं कुलपति के नाम संबोधित ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य को सौंपा गया। ज्ञापन में प्रदेश के सभी महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में अविलंब छात्रसंघ चुनाव की तिथि घोषित कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल करने की मांग की गई।

इस अवसर पर छात्र प्रतिनिधि अंकुश आदिवाल ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव विद्यार्थियों के लोकतांत्रिक अधिकारों का सबसे सशक्त माध्यम हैं। उनका कहना था कि लगातार चुनाव नहीं कराना युवाओं की आवाज को दबाने का प्रयास है, जिसे एनएसयूआई किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं करेगी।

अंकुश आदिवाल ने चेतावनी दी कि यदि राज्य सरकार ने शीघ्र छात्रसंघ चुनाव की तिथि घोषित नहीं की तो एनएसयूआई पूरे प्रदेश में चरणबद्ध एवं उग्र आंदोलन शुरू करेगी, जिसकी जिम्मेदारी राज्य सरकार एवं संबंधित प्रशासन की होगी। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई हमेशा छात्रहितों की लड़ाई मजबूती से लड़ती रही है और आगे भी विद्यार्थियों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

इस दौरान कुलदीप सालवी, विशाल खटीक, चेतन वैष्णव, भरत ओड़, सोनू नायक, करण बंजारा, अनिल बुनकर, रोहित ओड़, आकाश खटीक, अभिषेक धाकड़, राजेश रेगर, सुजल पटवा, खुशीराम, हिमांशु राजपूत सहित बड़ी संख्या में छात्र कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निष्पक्ष जांच व दोषी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग, अधिकारियों ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

स्मार्ट हलचल | निम्बाहेड़ा

स्वतंत्र पत्रकार पप्पूलाल देतवाल को कथित रूप से जातिसूचक शब्द कहकर अपमानित करने एवं जान से मारने की धमकी दिए जाने के विरोध में सोमवार को नगर के पत्रकारों एवं मीडियाकर्मियों ने एकजुटता का परिचय देते हुए उपखंड अधिकारी एवं पुलिस उपाधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच तथा दोषी के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन के अनुसार स्वतंत्र पत्रकार पप्पूलाल देतवाल जिला चिकित्सालय निम्बाहेड़ा में अपने परिजन की दवा लेने पहुंचे थे। इस दौरान अस्पताल के एक कर्मचारी द्वारा उनकी पत्रकारिता गतिविधियों को लेकर कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया गया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि संबंधित कर्मचारी ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए पत्रकार को अपमानित किया तथा भविष्य में समाचार प्रकाशित करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

मीडियाकर्मियों ने ज्ञापन में कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और उसका दायित्व समाज एवं प्रशासन के समक्ष जनहित के मुद्दों को निष्पक्ष रूप से रखना है। उनका कहना है कि यदि किसी पत्रकार को उसके कर्तव्य निर्वहन से रोकने, डराने-धमकाने अथवा जातिगत रूप से अपमानित करने का प्रयास किया जाता है तो यह न केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के भी विपरीत है।

पत्रकारों ने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के विरुद्ध कानूनी एवं विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी पत्रकार को इस प्रकार की प्रताड़ना का सामना नहीं करना पड़े तथा पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान बना रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने उपखंड अधिकारी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा तथा बाद में पुलिस उपाधीक्षक से मुलाकात कर पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। अधिकारियों ने मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर एस.एस. अग्रवाल, जाकिर हुसैन, प्रकाश खत्री, फैसल खान, बिहारीलाल सोलंकी, शकील खान, विक्रम मीणा, मोईन खान, अशरफ मेव, निशांत अग्रवाल, शरीफ मेव, कमलेश आमेटा, पप्पूलाल देतवाल, वकार अहमद सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रचोदयात संस्था ने किया वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए प्रचोदयात सेवा संस्था द्वारा ब्यावर साइबर थाना परिसर में एक गरिमामय वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम के दौरान संस्था के पदाधिकारियों, सदस्यों और साइबर थाना स्टाफ ने मिलकर विभिन्न प्रजातियों के छायादार और फलदार पौधे रोपित किए। इसके साथ ही सभी ने इन पौधों के संरक्षण, नियमित सिंचाई और उचित देखभाल की जिम्मेदारी लेने का सामूहिक संकल्प भी लिया।

इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों ने पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'वृक्ष न केवल प्रकृति का संतुलन बनाए रखते हैं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वायु और स्वस्थ जीवन का एकमात्र आधार हैं। प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसे पेड़ बनने तक संभाले। '

साइबर थाना अधिकारियों ने प्रचोदयात सेवा संस्था के इस अनूठे और सराहनीय प्रयास की खुले मन से प्रशंसा की। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस और समाज के बीच ऐसे सहयोगात्मक और पर्यावरणीय अभियान समाज में एक बेहद सकारात्मक संदेश देते हैं। इससे अन्य लोगों को भी प्रकृति को बचाने और संवारने की प्रेरणा मिलेगी।

यह रहे उपस्थितः

इस विहंगम वृक्षारोपण कार्यक्रम में संस्था के महेंद्र पंवार, भागचंद चौहान, प्रदीप तुनगरिया, कमल फुलवारी, राहुल डाबी, संदीप बोराणा, धनराज चौहान, मनन गहलोत और अजय बोराणा सहित संस्था के कई गणमान्य सदस्य एवं थाना स्टाफ मौजूद रहा।

शिकायत के बाद पुलिस हरकत में, स्कूल के सामने खड़ी 8 मोटरसाइकिलों पर कार्रवाई

स्मार्ट हलचल | थांवला

कस्बे के बस स्टैंड स्थित राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने लंबे समय से बेतरतीब ढंग से खड़ी रहने वाली मोटरसाइकिलों के कारण विद्यार्थियों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। शिकायत के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आया और स्कूल परिसर के बाहर अभियान चलाकर अवैध रूप से खड़ी मोटरसाइकिलों को जब्त कर पिकअप वाहन के माध्यम से पुलिस थाने पहुंचाया। कार्रवाई के दौरान पुलिसकर्मियों ने सड़क और स्कूल के प्रवेश मार्ग को खाली कराया, जिससे विद्यार्थियों और अध्यापकों को आने जाने में राहत मिली। जानकारी के अनुसार कई वाहन चालक सुबह अपनी मोटरसाइकिलें स्कूल के सामने खड़ी कर पूरे दिन के लिए चले जाते थे। इससे स्कूल खुलने और छुट्टी के समय छात्र-छात्राओं को निकलने में काफी दिक्कत होती थी। कार्रवाई के बाद ग्रामीणों और बच्चों के अभिभावकों ने पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा और सुगम आवागमन को देखते हुए यह कार्रवाई आवश्यक थी। उन्होंने आमजन से अपील की कि स्कूल के प्रवेश द्वार और सड़क किनारे अवैध रूप से वाहन खड़े न करें तथा यातायात नियमों का पालन करें। एएसआई सुरेंद्र मीणा ने बताया कि कुल आठ मोटरसाइकिल जब्त की गई हैं जिसमें चार के चालान काटे और चार सीज़ की गई हैं।

भाजपा मंडल महुवा शहर की संगठनात्मक बैठक संपन्न, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

कार्यकर्ताओं को दिया 'सरल ऐप' का डिजिटल प्रशिक्षण, बूथ मजबूत करने पर दिया विशेष जोर

स्मार्ट हलचल

महुवा। महुवा उपखंड मुख्यालय स्थित अंबेडकर भवन में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी मंडल महुवा शहर अध्यक्ष भगवान सहाय तिवारी के नेतृत्व में एक संगठनात्मक संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125वें स्मृति पर्व की पूर्व संध्या पर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद और अखंड भारत के प्रति समर्पित जीवन को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। भाजपा मंडल सुशील सेन ने कहा कि अखंड भारत का निर्माण ही डॉ. मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

बैठक के दौरान जिला मासिक बैठक के एजेंडे पर विस्तार से चर्चा की गई और आगामी संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की गई। बैठक में आगामी कार्ययोजना को लेकर वार्ड और बूथ स्तर को और अधिक सक्रिय व मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। इस बैठक का मुख्य आकर्षण डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म रहा, जिसके तहत उपस्थित सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को 'सरल ऐप' के माध्यम से डिजिटल परीक्षण कराया गया ताकि तकनीक के माध्यम से संगठन के कार्यों को गति दी जा सके।

कार्यक्रम के समापन पर भाजपा मंडल मंत्री श्याम सुंदर सारवान ने बैठक में पहुंचे सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का उनके सक्रिय सहयोग और सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।

इस संगठनात्मक बैठक में भाजपा जिला पदाधिकारी मिश्री देवी मीणा मंडल अध्यक्ष भगवान सहाय तिवारी महामंत्री श्याम सुंदर सारवान, पंडित राधा मोहन, मंत्री सुशील सेन, जिला मंत्री ओबीसी गोविंद राम सेन पूर्व मंडल अध्यक्ष रामचरण गुप्ता नेमीचंद खेड़ली वाले, विजय सिंह चौहान, वेद प्रकाश गोयल, महेश चंद गुप्ता, महेश चंद बंसल, राहुल अवस्थी, अमर सिंह चौहान ,फारुक नोमुंडा, हाजी शब्बीर, सोनू खटीक, सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बसपा की रणनीतिक बैठक, रैगर समाज की भागीदारी बढ़ाने पर दिया जोर

स्मार्ट हलचल | जोबनेर

कस्बे की रैगर धर्मशाला में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में रैगर समाज की राजनीतिक भागीदारी, वर्तमान राजनीतिक स्थिति तथा आगामी रणनीति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए जयपुर ग्रामीण प्रभारी निरंजन सिंह एवं जयपुर ग्रामीण जोन प्रभारी सुरेंद्र बासोटिया ने कहा कि रैगर समाज का राजनीतिक प्रतिनिधित्व लगातार कम होता जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1981 से 2005 के बीच रैगर समाज के 7 विधायक एवं 5 सांसद रहे, जबकि वर्तमान समय में समाज की राजनीतिक भागीदारी काफी घट गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी, दोनों ही दलों ने रैगर समाज को अपेक्षित राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं दिया। वहीं, बहुजन समाज पार्टी ने पिछले विधानसभा चुनाव में रैगर समाज के 11 उम्मीदवारों को टिकट देकर समाज को सम्मान और अवसर प्रदान किया।

बैठक में संगठन को मजबूत करने, समाज के लोगों को अधिक से अधिक राजनीतिक रूप से जागरूक करने तथा आगामी चुनावों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

इस अवसर पर पूर्व जयपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष रवि जाजोरिया, समाज अध्यक्ष गोविंदराम जाजोरिया, रामलाल जलुथरिया, गोवर्धन जाजोरिया, गिरधारीलाल जाजोरिया, गोवर्धन मोहिल, दिनेश जाजोरिया, सोहनलाल मौर्य, रूपचंद जाजोरिया, मांगीलाल नोगिया, गिरधार सहित समाज एवं पार्टी के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बावन माता ग्रामीण मंडल की संगठनात्मक बैठक आयोजित

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। सावर नगरपालिका सभागार में भाजपा बावन माता ग्रामीण मंडल की संगठनात्मक बैठक मंडल अध्यक्ष राजवीर हावा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर विभिन्न संगठनात्मक निर्णय लिए गए।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला उपाध्यक्ष विजय प्रताप सिंह शक्तावत (रॉबिन बना), एसटी मोर्चा जिला अध्यक्ष रंगलाल भील, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री मोहसिना बानो तथा मंडल उपाध्यक्ष शक्ति सिंह पारा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के माला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत-सत्कार के साथ हुई। मुख्य अतिथि विजय प्रताप सिंह शक्तावत ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि 11 जुलाई 2026 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रस्तावित केकड़ी कार्यक्रम में नसीराबाद-केकड़ी-सावर-देवली फोरलेन सड़क के शिलान्यास कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।

मंडल अध्यक्ष राजवीर हावा ने कार्यकर्ताओं से भाजपा के सरल ऐप को डाउनलोड कर संगठन के कार्यक्रमों से नियमित रूप से जुड़े रहने का आग्रह किया।

बैठक का संचालन मंडल महामंत्री लक्ष्मी नारायण मालावत ने किया। इस अवसर पर मंडल महामंत्री महावीर प्रसाद सेन सांकरिया, युवा मोर्चा अध्यक्ष मनजीत सिंह शक्तावत, रोहित गुर्जर, आदित्य शर्मा, जगदीश प्रसाद खाती, बलवीर सिंह, मनोज कहार, गोपाल सिंह, सोजी राम लोढ़ा, प्रहलाद कुमावत, ओमप्रकाश, मनमोहन कुमावत, दरियावनाथ योगी, सुगनचंद जैन, चिरंजीलाल कहार, विमल जैन सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजस्थान समान नागरिक संहिता-2026: ब्यावर में वर्चुअल संभाग स्तरीय जनसुनवाई आयोजित

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान सरकार द्वारा प्रस्तावित 'राजस्थान समान नागरिक संहिता-2026' के ड्राफ्ट को लेकर आमजन और समाज के विभिन्न वर्गों की राय जानने के उद्देश्य से सोमवार को एक संभाग स्तरीय वर्चुअल जनसुनवाई का आयोजन किया गया। ब्यावर जिले की यह जनसुनवाई कलेक्ट्रेट सभागार स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) कक्ष से डिजिटल माध्यम से संपन्न हुई।

ड्राफ्ट समिति के समक्ष रखे गए विचार

इस महत्वपूर्ण जनसुनवाई की अध्यक्षता राजस्थान समान नागरिक संहिता-2026 प्रारूप समिति के सदस्य एवं राजस्थान उच्च न्यायालय (जयपुर) के अतिरिक्त महाधिवक्ता बसंत सिंह छाबा ने की। वर्चुअल माध्यम से आयोजित इस बैठक में ब्यावर जिले के जनप्रतिनिधियों, विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों, सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय गैर-सरकारी संगठनों के

पदाधिकारियों, चुनाव आयोग से मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं के साथ-साथ कानून और सामाजिक विज्ञान विषय के शिक्षाविदों ने भाग लिया और अपने बहुमूल्य सुझाव और विचार साझा किए।

व्यापक जनपरामर्श है मुख्य उद्देश्य

प्रारूप समिति के सदस्य बसंत सिंह छाबा ने सभी हितधारकों के सुझावों को बेहद गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्राप्त हुए सभी विचारों और सुझावों को नियमानुसार संकलित किया जाएगा और इसे अंतिम निर्णय के लिए प्रारूप समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य समाज के हर वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए एक व्यापक और सर्वसमावेशी कानून का निर्माण करना है।

जिला प्रशासन रहा मौजूद

ब्यावर कलेक्ट्रेट में आयोजित इस वर्चुअल बैठक के दौरान जिला कलक्टर कमल राम मीना, अतिरिक्त जिला कलक्टर ब्रह्मलाल जाट सहित समान नागरिक संहिता के लिए गठित जिला स्तरीय कमेटी के सभी प्रशासनिक सदस्य और अधिकारी उपस्थित रहे।

महाभारत का हुआ था जहां युद्ध उस कुरुक्षेत्र के रहस्य

कुरुक्षेत्र युद्ध कौरवों और पाण्डवों के मध्य कुरु साम्राज्य के सिंहासन की प्राप्ति के लिए कुरुक्षेत्र में युद्ध लड़ा गया था। आओ जानते हैं कुरुक्षेत्र के 5 रहस्य। कुरुक्षेत्र भारतीय राज्य हरियाणा का एक क्षेत्र है।

छोटे भाई का वध

मान्यता अनुसार यह कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण को डर था कि भाई-भाइयों के, गुरु-शिष्यों के व संबंधी कुटुंबियों के इस युद्ध में एक दूसरे को मरते देखकर कहीं ये संधि न कर बैठें। इसलिए ऐसी भूमि युद्ध के लिए चुनने का फैसला लिया गया जहां क्रोध और द्वेष के संस्कार पर्याप्त मात्रा में हों। तब श्रीकृष्ण ने कई दूत अनेकों दिशाओं में भेजे और उन्हें वहां की घटनाओं का जायजा लेने को कहा। एक दूत ने सुनाया कि कुरुक्षेत्र में बड़े भाई ने छोटे भाई को खेत की मेंड़ टूटने पर बहते हुए वर्षा के पानी को रोकने के लिए कहा। उसने साफ इनकार कर दिया। इस पर बड़ा भाई आग बबूला हो गया। उसने छोटे भाई को छुरे से गोद डाला और उसकी लाश को पैर पकड़कर घसीटता हुआ उस मेंड़ के पास ले गया और जहां से पानी निकल रहा था वहां उस लाश को पानी रोकने के लिए लगा दिया। इस कहानी को सुनकर श्रीकृष्ण ने तय किया कि यही भूमि भाई-भाई के युद्ध के लिए उपयुक्त है। जब श्रीकृष्ण आश्वस्त हो गए कि इस भूमि के संस्कार यहां पर भाइयों के युद्ध में एक दूसरे के प्रति प्रेम उत्पन्न नहीं होने देंगे तब उन्होंने युद्ध कुरुक्षेत्र में करवाने की घोषणा की।

कुरु का क्षेत्र

दूसरी कहानी अनुसार कहते हैं कि जब कुरु इस क्षेत्र की जुताई कर रहे थे तब इन्द्र ने उनसे जाकर इसका कारण पूछा। कुरु ने कहा कि जो भी व्यक्ति इस स्थान पर मारा जाए, वह पुण्य लोक में जाए, ऐसी मेरी इच्छा है। इन्द्र उनकी बात को हंसी में उड़ाते हुए स्वर्गलोक चले गए। ऐसा अनेक बार हुआ। इन्द्र ने अन्य देवताओं को भी ये बात बताई। देवताओं ने इन्द्र से कहा कि यदि संभव हो तो कुरु को अपने पक्ष में कर लो। तब इन्द्र ने कुरु के पास जाकर कहा कि कोई भी पशु, पक्षी या मनुष्य निराहार रहकर या युद्ध करके इस स्थान पर मारा जायेगा तो वह स्वर्ग का भागी होगा। ये बात भीष्म, कृष्ण आदि सभी जानते थे, इसलिए महाभारत का युद्ध कुरुक्षेत्र में लड़ा गया।

श्रवण कुमार की कहानी

मातृ और पितृ भक्त श्रवण कुमार की कहानी तो आपने सुनी ही होगी। श्रवण कुमार जैसे पितृभक्त खोजना मुश्किल है। वे अपने अंधे माता-पिता की सेवा पूरी तत्परता से करते थे, उन्हें किसी प्रकार का कष्ट नहीं होने देते थे। एक बार माता-पिता ने तीर्थ यात्रा की इच्छा की और वे उन्हें कांवर में बिठाकर तीर्थ यात्रा को चल दिए। बहुत से तीर्थ करा लेने पर एक दिन अचानक उसके मन में यह भाव आया कि पिता-माता को पैदल क्यों न चलाया जाए? उन्होंने कांवर जमीन पर रख दी और उन्हें पैदल चलने को कहा। अंधे माता और पिता पैदल चलने तो लगे पर उन्होंने साथ ही यह भी कहा- बेटा इस भूमि को जितनी जल्दी हो सके पार कर लेना चाहिए। वे तेजी से चलने लगे जब वह भूमि निकल गई तो श्रवणकुमार को माता-पिता के साथ इस तरह का व्यवहार करने पर बड़ा पश्चाताप हुआ और उसने पैरों में गिरकर क्षमा मांगी तथा फिर से दोनों को कांवर में बिठा लिया। उनके अंधे पिता ने कहा- पुत्र इसमें तुम्हारा दोष नहीं। उस भूमि पर किसी समय मय नामक एक असुर रहता था उसने जन्मते ही अपने ही पिता-माता को मार डाला था, उसी के संस्कार उस भूमि में अभी तक बने हुए हैं इसीसे उस क्षेत्र में गुजरते हुए तुम्हें ऐसी बुद्धि उपजी।

कुरुक्षेत्र का महत्व

महाभारत के वनपर्व के अनुसार, कुरुक्षेत्र में आकर सभी लोग पापमुक्त हो जाते हैं और जो ऐसा कहता है कि मैं कुरुक्षेत्र जाऊंगा और वहीं निवास करुंगा। यहां तक कि यहां की उड़ी हुई धूल के कण पापी को परम पद देते हैं। नारद पुराण में आया है कि ग्रहों, नक्षत्रों एवं तारागणों को कालगति से (आकाश से) नीचे गिर पड़ने का भय है, किन्तु वे, जो कुरुक्षेत्र में मरते हैं पुनः पृथ्वी पर नहीं गिरते, अर्थात वे पुनःजन्म नहीं लेते। भगवद्गीता के प्रथम श्लोक में कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र कहा गया है।

कुरुक्षेत्र के क्षेत्र

यहां एक विशाल तालाब है जिसका निर्माण महाभारत काल में ही हुआ था। यहां एक ज्योतिसर नामक स्थान हैं जहां पर श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। यहां पर ब्रह्मसरोवर, सन्निहित सरोवर, भद्रकाली मन्दिर, पिहोवा और श्री स्थानेश्वर महादेव मन्दिर व पूण्डरी नामक स्थान प्रसिद्ध है।

महाभारत में व्यूह रचना कितने प्रकार की थी?

महाभारत में आपने सिर्फ चक्रव्यूह का ही नाम सूना होगा। लेकिन महाभारत के युद्ध में कई प्रकार की व्यू रचना का उल्लेख मिलता है। युद्ध को लड़ने के लिए पक्ष या विपक्ष अपने हिसाब से व्यूह रचना करता था। व्यूह रचना का अर्थ है कि किस तरह सैनिकों को सामने खड़ा किया जाए। आसमान से देखने पर यह व्यूह रचना दिखाई देती है। जैसे क्रौंच व्यूह है, तो आसमान से देखने पर क्रौंच पक्षी की तरह सैनिक खड़े हुए दिखाई देंगे। इसी तरह चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। आओ जानते हैं कुछ खास व्यूह रचना के बारे में।

गरुड़ व्यूह : गरुड़ पक्षी का चित्र तो देखा ही होगा आपने। यह विशालकाय पक्षी भगवान विष्णु का वाहन है। युद्ध में सैनिकों को विपक्षी सेना के सामने इस तरह पंक्तिबद्ध खड़ा किया जाता है कि जिससे आसमान से देखने पर गरुढ़ पक्षी जैसी आकृति दिखाई दे। इसे ही गरुड़ व्यूह कहते हैं। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी।

क्रौंच व्यूह : क्रौंच सारस की एक प्रजाति है। इस व्यूह का आकार इसी पक्षी की तरह होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना युधिष्ठिर ने की थी।

मकरव्यूह : प्राचीन काल में मकर नाम का एक जलचर प्राणी होता है। मकर का सिर तो मगरमच्छ की तरह लेकिन उसके सिर पर बकरी के सींगों जैसे सींग होते थे, मृग और सांप जैसा शरीर, मछली या मोर जैसी पूंछ और पैंथर जैसे पैर दर्शाए भी होते थे। वैदिक साहित्य में अक्सर तिमिंगिला और मकर का साथ-साथ जिक्र होता है। लेकिन संभवतः यहां व्यूह रचना से तात्पर्य मगर से होगा मकर से नहीं। महाभारत में इस व्यूह की रचना कौरवों ने की थी। ›

कछुआ व्यूह : इसमें सेना को कछुए की तरह जमाया जाता है।

अर्धचंद्राकार व्यूह : अर्ध चंद्र का अर्थ तो आप समझते ही हैं। सैन्य रचना जब अर्ध चंद्र की तरह होती थी तो उसे अर्धचंद्राकार व्यूह रचना कहते थे। इस व्यूह की रचना अर्जुन ने कौरवों के गरुड़ व्यूह के प्रत्युत्तर में की थी।

मंडलाकार व्यूह : मंडल का अर्थ गोलाकार या चक्राकार होता है। इस व्यूह का गठन परिपत्र रूप में होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी। इसके प्रत्युत्तर में पांडवों ने व्रज व्यूह की रचना कर इसे भेद दिया था।

चक्रव्यूह : चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। इस चक्रव्यूह को देखने पर इसमें अंदर जाने का रास्ता तो नजर आता है, लेकिन बाहर निकलने का रास्ता नजर नहीं आता। आपने स्पाइरल देखा होगा बस उसी तरह का यह होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना गुरु द्रोण ने की थी।

चक्रशकट व्यूह : महाभारत युद्ध में अभिमन्यु की निर्मम हत्या के बाद अर्जुन ने शपथ ली थी कि जयद्रथ को कल सूर्यास्त के पूर्व मार दूंगा। तब गुरु द्रोणाचार्य ने जयद्रथ को बचाने के लिए इस व्यूह की रचना की थीं। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण की चतुराई से जयद्रथ उस व्यूह से निकलकर बाहर आ गया और मारा गया।

वज्र व्यूह : वज्र एक तरह का हथियार होता है। ये दो प्रकार का होता था- कुलिश और अशानि। इसके ऊपर के तीन भाग तिरछे-टेढ़े बने होते हैं। बीच का हिस्सा पतला होता है। पर यह बड़ा वजनदार होता है। इसका आकार देखने में इन्द्रदेव के वज्र जैसा होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना अर्जुन ने की थी।

औरमी व्यूह : पांडवों के व्रज व्यूह के प्रत्युत्तर में भीष्म ने औरमी व्यूह की रचना की थी। इस व्यूह में पूरी सेना समुद्र के समान सजाई जाती थी। जिस प्रकार समुद्र में लहरें दिखाई देती हैं, ठीक उसी आकार में कौरव सेना ने पांडवों पर आक्रमण किया था।

श्रीन्गातका व्यूह : कौरवों के औरमी व्यूह के प्रत्युत्त में अर्जुन ने श्रीन्गातका व्यूह की रचना की थी। ये व्यूह एक भवन के समान दिखाई देता था। संभवतः इसे ही तीन शिखरों वाला व्यूह कहते होंगे।.इसके अलावा सर्वतोभद्र और सुपर्ण व्यूह का उल्लेख भी मिलता है।

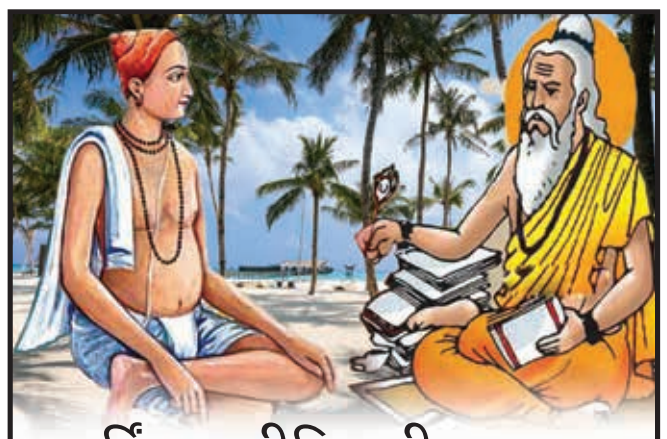

महर्षि वाल्मीकि की रामायण और गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस के उत्तर कांड में फर्क क्यूं?

रामायण या रामचरित मानस के उत्तर कांड के संबंध में बहुत लोगों को इस बात का संशय है कि इसमें घटनाओं का वर्णन वैसा नहीं है जैसा कि शोधकर्ता मानते हैं। रामायण और रामचरित मानस दोनों ही का उत्तर कांड बहुत ही भिन्न है। ऐसा क्यों? यह शोध का विषय हो सकता है। रामानंद सागर द्वारा उत्तर कांड के नाम से उत्तर रामायण नाम का सीरियल बनाया गया है। आओ जानते हैं दोनों ही रामायण के काण्ड का फर्क।

वाल्मीकि कृत रामायण का उत्तर कांड

उत्तरकाण्ड में राम के राज्याभिषेक के अनन्तर कौशिकादि महर्षियों का आगमन, महर्षियों के द्वारा राम को रावण के पितामह, पिता तथा रावण का जन्मादि वृत्तान्त सुनाना, सुमाली तथा माल्यवान के वृत्तान्त, रावण, कुम्भकर्ण, विभीषण आदि का जन्म-वर्णन, रावणादि सभी भाइयों को ब्रह्मा से वरदान-प्राप्ति, रावण-पराक्रम-वर्णन के प्रसंग में कुबेरादि देवताओं का घर्षण, रावण सम्बन्धित अनेक कथाएँ, सीता के पूर्वजन्म रूप वेदवती का वृत्तान्त, वेदवती का रावण को शाप, सहस्त्रबाहु अर्जुन के द्वारा नर्मदा अवरोध तथा रावण का बन्धन, रावण का बालि से युद्ध और बालि की कांख में रावण का बन्धन, सीता-परित्याग, सीता का वाल्मीकि आश्रम में निवास, निमि, नहुष, ययाति के चरित, शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर वध, शंबूक वध तथा ब्राह्मण पुत्र को जीवन प्राप्ति, भार्गव चरित, वृत्रासुर वध प्रसंग, किंपुरुषोत्पत्ति कथा, राम का अश्वमेध यज्ञ, वाल्मीकि के साथ राम के पुत्र लव कुश का रामायण गाते हुए अश्वमेध यज्ञ में प्रवेश, राम की आज्ञा से वाल्मीकि के साथ आयी सीता का राम से मिलन, सीता का रसातल में प्रवेश, भरत, लक्ष्मण तथा शत्रुघ्न के पुत्रों का पराक्रम वर्णन, दुर्वासा-राम संवाद, राम का सशरीर स्वर्गगमन, राम के भ्राताओं का स्वर्गगमन, तथा देवताओं का राम का पूजन विशेष आदि वर्णित है।

तुलसीदास गोस्वामी कृत रामचरितमानस का उत्तर कांड

इसमें मंगलाचरण, भरत विरह तथा भरत-हनुमान मिलन, अयोध्या में आनंद, श्री रामजी का स्वागत, भरत मिलाप, सबका मिलनानन्द, राम राज्याभिषेक, वेदस्तुति, शिवस्तुति, वानरों की और निषाद की विदाई, रामराज्य का वर्णन, पुत्रोत्पति, अयोध्याजी की रमणीयता, सनकादिका आगमन और संवाद, हनुमानजी के द्वारा भरतजी का प्रश्न और श्री रामजी का उपदेश, श्री रामजी का प्रजा को उपदेश (श्री रामगीता), पुरवासियों की कृतज्ञता, श्री राम-वशिष्ठ संवाद, श्री रामजी का भाइयों सहित अमराई में जाना, नारदजी का आना और स्तुति करके ब्रह्मलोक को लौट जाना, शिव-पार्वती संवाद, गरुड़ मोह, गरुड़जी का काकभुशुण्डि से रामकथा और राम महिमा सुनना, काकभुशुण्डि का अपनी पूर्व जन्म कथा और कलि महिमा कहना, गुरुजी का अपमान एवं शिवजी के शाप की बात सुनना, रुद्राष्टक, गुरुजी का शिवजी से अपराध क्षमापन, शापानुग्रह और काकभुशुण्डि की आगे की कथा, काकभुशुण्डिजी का लोमशजी के पास जाना और शाप तथा अनुग्रह पाना, ज्ञान-भक्ति-निरुपण, ज्ञान-दीपक और भक्ति की महान महिमा, गरुड़जी के सात प्रश्न तथा काकभुशुण्डि के उत्तर, भजन महिमा, रामायण माहात्म्य, तुलसी विनय और फलस्तुति और रामायणजी की आरती का वर्णन मिलता है। वाल्मीकि कृत उत्तर कांड में राम के रावण वध की आगे की गाथा का वर्णन है, जिसमें राम का राज्याभिषेक, सीता परित्याग, वाल्मीकि आश्रम में लव और कुश का जन्म, बचपन और सीता का जीवन। शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर का वध और इसके अलावा पूर्व के ऋषि मुनियों और राजाओं की गाथा का वर्णन मिलेगा। दूसरी ओर गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरित मानस में शिव और पार्वती का रामकथा के संबंध में संवाद, काकभुशुण्डि और गरुढ़ संवाद सहित ज्ञान और उपदेश की बातें ही ज्यादा हैं। इसमें सीता परित्याग और लव एवं कुश के बारे में उल्लेख नहीं मिलता है। विद्वान लोग मानते हैं कि ऋषि वाल्मीकि राम के समकालीन थे और गोस्वामी तुलसीदास राम के भक्त थे। यदि प्रमाण की बात सामने आए तो वाल्मीकि रामायण को ही प्रमाण मानना चाहिए, क्योंकि वही सही रामायण है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस को लिखने के पूर्व वाल्मीकि कृत रामायण सहित दक्षिण भारत की रामायण को भी पढ़ा था। अतः उन्होंने सभी को पढ़कर लिखा जबकि वाल्मीकि ने राम के जीवन को देखकर रामायण को लिखा था।

अश्वमेध यज्ञ क्या होता है, खास बातें

अश्वमेध यज्ञ को कुछ विद्वान एक राजनीतिक और कुछ विद्वान इसे आध्यात्मिक प्रयोग मानते हैं। कहा जाता है कि इसे वही सम्राट कर सकता था, जिसका अधिपत्य अन्य सभी नरेश मानते थे। कालांतर में यह यज्ञ जो नरेश जिस समाज से संबंध रखता था उस समाज की रीति के अनुसार करता था। इसके कारण इस यज्ञ को करने में कई बुरी परंपराएं भी जुड़ गई। वैदिक रीति से किया गया यज्ञ ही धर्मसम्मत माना गया है। यज्ञ का प्रारम्भ बसन्त अथवा ग्रीष्म में होता था तथा इसके पूर्व प्रारम्भिक अनुष्ठानों में प्रायः एक वर्ष का समय लगता था। इस बीच नगर में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम और उत्सव होते थे। यज्ञ करने के बाद अश्व को स्वतन्त्र विचरण करने के लिए छोड़ दिया जाता था। जिसके पीछे यज्ञकर्ता राजा की सेना होती थी। जब यह अश्व दिग्विजय यात्रा पर जाता था तो स्थानीय लोग इसके पुनरागमन की प्रतिक्षा करते थे। इस अश्व के चुराने या इसे रोकने वाले नरेश से युद्ध होता था। यदि यह अश्व खो जाता तो दूसरे अश्व से यह क्रिया पुनः आरम्भ की जाती थी। कहते हैं कि अश्वमेध यज्ञ ब्रहम हत्या आदि पापक्षय, स्वर्ग प्राप्ति एवं मोक्ष प्राप्ति के लिए भी किया जाता थो। कुछ विद्वान मानते हैं कि अश्वमेध यज्ञ एक आध्यात्मिक यज्ञ है जिसका संबंध गायत्री मंत्र से जुड़ा हुआ है। श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं कि 'अश्व' समाज में बड़े पैमाने पर बुराइयों का प्रतीक है और 'मेधा' सभी बुराइयों और अपनी जड़ों से दोष के उन्मूलन का संकेत है। जहां भी इन अश्वमेध यज्ञ का प्रदर्शन किया गया है, उन क्षेत्रों में अपराधों और आक्रामकता की दर में कमी का अनुभव किया है। अश्वमेध यज्ञ पारिस्थितिकी संतुलन के लिए और आध्यात्मिक वातावरण की शुद्धि के लिए गायत्री मंत्र से जुड़ा है। गुप्त साम्राज्य के पतन के बाद अश्वमेध प्रायः बन्द ही हो गया।

क्या कर्ण के वैवस्वत मनु यमराज और शनिदेव भाई थे?

हिन्दू पुराण और महाभारत में कई रहस्य छिपे हुए हैं। उन्हें जानना और समझने बहुत ही कठिन हैं। पुराणों के जानकार मानते हैं कि वैवस्वत मनु, यमराज और शनिदेव और महाभारत के कर्ण भाई भाई थे।

वैवस्वत मनु और यमराज

विश्वकर्मा की पुत्री संज्ञा विवस्वान अर्थात सूर्य की पत्नी हुई। उसके गर्भ से सूर्य ने तीन संतानें उत्पन्न की। जिनमें एक कन्या और दो पुत्र थे। सबसे पहले प्रजापति श्राद्धदेव, जिन्हें वैवस्वत मनु कहते हैं, उत्पन्न हुए। तत्पश्चात यम और यमुना- ये जुड़वीं संतानें हुईं।

शनिदेव

भगवान सूर्य की तूसरी पत्नी छाया थीं। छाया को संज्ञा की छाया ही माना जाता था। छाया से ही शनिदेव का जन्म हुआ था।

कर्ण : सूर्य पुत्र कर्ण को महाभारत का एक महत्वपूर्ण योद्धा माना जाता है। कर्ण के धर्मपिता तो पांडु थे, लेकिन पालक पिता अधिरथ और पालक माता राधा थी। राजा शूरसेन की पुत्री कुंती अपने महल में आए महात्माओं की सेवा करती थी। एक बार वहां ऋषि दुर्वासा भी पधारे। कुंती की सेवा से प्रसन्न होकर दुर्वासा ने कहा, 'पुत्री! मैं तुम्हारी सेवा से अत्यंत प्रसन्न हुआ हूं अतः तुझे एक ऐसा मंत्र देता हूं जिसके प्रयोग से तू जिस देवता का स्मरण करेगी वह तत्काल तेरे समक्ष प्रकट होकर तेरी मनोकामना पूर्ण करेगा।' इस तरह कुंती को वह मंत्र मिल गया। एक दिन कुंती के मन में आया कि क्यों न इस मंत्र की जांच कर ली जाए। कहीं यह यूं ही तो नहीं? तब उन्होंने एकांत में बैठकर उस मंत्र का जाप करते हुए सूर्यदेव का स्मरण किया। उसी क्षण सूर्यदेव प्रकट हो गए। कुंती हैरान-परेशान अब क्या करें?

सूर्यदेव ने कहा, 'देवी! मुझे बताओ कि तुम मुझसे किस वस्तु की अभिलाषा करती हो। मैं तुम्हारी अभिलाषा अवश्य पूर्ण करूंगा।' इस पर कुंती ने कहा, 'हे देव! मुझे आपसे किसी भी प्रकार की अभिलाषा नहीं है। मैंने मंत्र की सत्यता परखने के लिए जाप किया था।' कुंती के इन वचनों को सुनकर सूर्यदेव बोले, 'हे कुंती! मेरा आना व्यर्थ नहीं जा सकता। मैं तुम्हें एक अत्यंत पराक्रमी तथा दानशील पुत्र देता हूं।' इतना कहकर सूर्यदेव अंतर्ध्यान हो गए।

कर्ण के अन्य भाई

कुंति पुत्र कर्ण एक महान योद्ध था जो कौरवों की ओर से लड़ा था। कुंती श्रीकृष्ण के पिता वसुदेव की बहन और भगवान कृष्ण की बुआ थीं। कुंति का पुत्र होने के कारण कर्ण भगवान श्री कृष्ण का भाई था। इसके अलावा पांचों पांडव भी कर्ण के भाई ही थे।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com